• जयपुर, बुधवार, 17 अप्रैल 24 • वर्ष 13 • अंक 233 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

पेज @3 कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति को बनाया चुनावी हथियार, हमारे पास सिर्फ...

पेज @4 प्रधानमन्त्री मोदी भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना दिखाकर देश में ....

पेज @8 वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सीए फाउंडेशन की ओर से आयोजित...

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

छत्तीसगढ़: कांकेर में चुनाव से पहले मुठभेड़, सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को किया ढेर

कांकेर/एजेंसी।

लोकसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। यहां जवानों के साथ मुठभेड़ में 18 नक्सली ढेर हो गए। इस कार्रवाई में 3 जवान भी घायल बताए जा रहे हैं। कांकेर के छोटे बेठिया थाना के कलपर के जंगल में मुठभेड़ जारी है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि घटनास्थल से 5 एके 47 और एलएमजी हथियार बरामद हुआ है। सुरक्षाबलों की ओर से मुठभेड़ में इंस्पेक्टर समेत 3 जवान भी घायल हुए हैं। इंस्पेक्टर के पैर में गोली लगी वहीं कांस्टेबल को हल्की चोट लगी है। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने कहा कि छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के जंगली इलाकों मुठभेड़ जारी है।

दंतेवाड़ा में 26 नक्सिलयों ने किया सरेंडर

बीते दिन सोमवार को दंतेवाड़ा जिले में 26 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर किया। इसमें 1 लाख रुपये के इनामी नक्सली भी शामिल है। इन नक्सलियों ने जिले में बढ़ते नक्सल विरोधी अभियान और सरकार की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे लोन वर्रा टू अभियान से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया। बता दें कि छत्तीसगढ़ के बस्तर लोकसभा सीट में प्रथम चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। यह सीट नक्सल प्रभावित होने की वजह से यहां शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराना पुलिस के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, लेकिन नक्सलियों के खिलाफ पिछले साढ़े 3 महीनों से चलाए जा रहे नयी रणनीति के तहत एंटी नक्सल ऑपरेशन से माओवादी संगठन की कमर टूटी है और अब लगातार स्थानीय नक्सली संगठन छोड़ पुलिस के समक्ष सरेंडर कर रहे हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मतदान को लेकर क्या है तैयारी?

बस्तर के आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र के अंदरूनी इलाकों में हेलीकॉप्टर के माध्यम से मतदान दलों को बनाए गए मतदान केंद्रों तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही दूर-दराज इलाके में जवानों को पहुंचाने का काम हेलीकॉप्टर के माध्यम से किया जाएगा। हालांकि सुरक्षागत कारणों से आईजी ने यह नहीं बताया कि बस्तर लोकसभा के किन इलाकों में हेलीकॉप्टर की मदद ली जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदान दल की सुरक्षा और जवानों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए इस बार घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में बने मतदान केंद्रों और इला×को में हेलीकॉप्टर की मदद ली जाएगी।

अयोध्या में रामनवमी की धूम, भक्तों का उमड़ा जनसैलाब, 12:16 पर होगा सूर्य तिलक

अयोध्या/एजेंसी

राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में पहली बार रामनवमी मनाई जा रही है. अयोध्या नगरी में रामनवमी की धूम है. देश के कोने-कोने से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. ऐसे में दर्शन की सुविधा को लेक र खास व्यवस्था की गई है. पूरे मंदिर को फूलों से सजाया गया है. साथ ही दर्शन का समय भी बढ़ाया गया है. वहीं आज सबकी नजर सूर्य तिलक पर बनी हुई है. दोपहर में 12 बजकर 16 मिनट पर सूर्य तिलक होगा, जो कि करीब चार मिनट तक रहेगा.

प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव रामनगरी में आज धूमधाम से मनाया जा रहा है. राम जन्मभूमि परिसर को फूलों से सजाया गया है. खूबसूरत लाइटिंग लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है. श्रद्धालुओं की सुविधा का भी खास ध्यान रखा गया है. जूता-चप्पल रखने के साथ-साथ शुद्ध पेयजल और श्रद्धालुओं की मूलभूत सुविधा का भी ख्याल रखा गया है. उम्मीद जताई जा रही है कि प्रतिदिन के मुकाबले आज अधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंचेंगे. दोपहर 12:00 बजे रामलला का धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया जाएगा. राम लला के जन्मोत्सव के मौके पर सूर्य देव भगवान राम का तिलक करेंगे.

राम जन्म भूमि परिसर में तैयारी पूरी हो गई है. प्रशासन ने सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया है. जगह-जगह बैरियर लगाकर श्रद्धालुओं को कतार में दर्शन कराए जाने की व्यवस्था की गई है. दो पहिया और चार पहिया वाहनों के संचालन पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है. दर्शन का समय बढ़ाकर 19 घंटे कर दिया गया है, जो मंगला आरती से प्रारंभ होकर रात्रि 11 बजे तक चलेगा. चार बार लगने वाले भोग के लिए केवल पांच-पांच मिनट के लिए ही पर्दा बंद होगा. श्री राम जन्मोत्सव का प्रसारण अयोध्या नगरी में लगभग सौ बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से किया जाएगा. न्यास के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर भी लाइव प्रसारण होगा.

भारतीय जनमानस के रोम-रोम में बसे हैं श्रीराम... पीएम मोदी ने दी राम नवमी की बधाई

नई दिल्ली

देश में आज राम नवमी की धूम है और मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है. रामलला के सूर्य तिलक का साक्षी बनने के लिए अयोध्या के राम मंदिर में भी रामभक्तों की भीड़ उमड़ी है. इस बीच पीएम मोदी ने देशवासियों को राम नवमी की शुभकामनाएं दी है और कहा कि प्रभु श्रीराम भारतीय जनमानस के रोम-रोम में रचे-बसे हैं. वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी देशवासियों को रामनवमी की बधाई दी है और अमन-चैन से रहने की अपील की है. तो चलिए जानते हैं राम नवमी पर किसने क्या कहा.

प्रधानमंत्री ने राम नवमी के अवसर पर कहा, 'देशभर के मेरे परिवारजनों को भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी की अनंत शुभकामनाएं! इस पावन अवसर पर मेरा मन भावविभोर और कृतार्थ है. ये श्रीराम की परम कृपा है कि इसी वर्ष अपने कोटि-कोटि देशवासियों के साथ मैं अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का साक्षी बना. अवधपुरी के उस क्षण की स्मृतियां अब भी उसी ऊर्जा से मेरे मन में स्पंदित होती हैं.'

अयोध्या के राम मंदिर के लिए पीएम मोदी ने अपने अगले पोस्ट में कहा, 'यह पहली राम नवमी है, जब अयोध्या के भव्य और दिव्य राम मंदिर में हमारे राम लला विराजमान हो चुके हैं. राम नवमी के इस उत्सव में आज अयोध्या एक अप्रतिम आनंद में है. 5 शताब्दियों की प्रतीक्षा के बाद आज हमें ये रामनवमी अयोध्या में इस तरह मनाने का सौभाग्य मिला है. यह देशवासियों की इतने वर्षों की कठिन तपस्या, त्याग और बलिदान का सुफल है.' उन्होंने आगे कहा, 'प्रभु श्रीराम भारतीय जनमानस के रोम-रोम में रचे-बसे हैं, अंतर्मन में समाहित हैं. भव्य राम मंदिर की प्रथम रामनवमी का यह अवसर उन असंख्य राम भक्तों और संत-महात्माओं को स्मरण और नमन करने का भी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन राम मंदिर के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया.

अमित शाह ने कहा, 'जय श्री राम! सभी को रामनवमी के पावन पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं. मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन न्याय, जनकल्याण व स्वाभिमान के लिए संघर्ष का प्रतीक है. प्रभु ने अपने जीवन से सत्य व धर्म के लिए त्याग का सर्वोच्च आदर्श स्थापित कर समूचे विश्व को युगों-युगों तक मार्गदर्शित करने का कार्य किया. इस वर्ष 500 सालों बाद प्रभु का जन्मोत्सव अपने जन्मभूमि के मंदिर में मनाया जाना सारे रामभक्तों के लिए गौरव का विषय है.

जम्मू-कश्मीर की झेलम नदी में नाव पलटने से 6 की मौत

श्रीनगर/एजेंसी।। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर जिले में झेलम नदी में मंगलवार को एक नाव पलटने से 6 लोगों की मौत हो गई और 5 लोग बचाया गया है, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पिछले कुछ दिनों में क्षेत्र में भारी बारिश के कारण झेलम नदी का जल स्तर बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंडबल में सात लोगों को ले जा रही एक नाव झेलम नदी में पलट गई। अधिकारियों ने कहा, ''एसडीआरएफ, पुलिस और लोगों ने तुरंत बचाव अभियान चलाया। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन को इलाज के लिए श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल भेजा गया है।'' अधिकारियों ने कहा पीड़ितों के शव बरामद कर लिए गए हैं और चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। अस्पताल के डॉक्टरों ने पुष्टि की कि घायल व्यक्तियों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। भारी बारिश के कारण झेलम नदी का जल स्तर काफी ऊपर है, सोमवार को बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद कर दिया गया।

पटना में दर्दनाक सड़क हादसा, ऑटो-खउइ की टक्कर में 7 लोगों की मौत

पटना/एजेंसी। आज सुबह पटना में एक दर्दनाक हादसा हो गया। मंगलवार (16 अप्रैल) सुबह सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना कंकड़बाग थाना क्षेत्र के रामलखन पथ की है। पटना मेट्रो के काम में लगे हाइड्रा (क्रेन) और एक ऑटो के बीच टक्कर हो गई। घटनास्थल पर 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 3 ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

● कैसे हुआ हादसा ?

बताया जाता है कि मोतिहारी, रोहतास, नेपाल, वैशाली के लोग पटना जंक्शन से उतरकर ऑटो से जीरो माइल स्थित बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रामलखन पथ में यह घटना हो गई। इस घटना के बाद बिना किसी को सूचना दिए क्रेन लेकर मौके से चालक फरार हो गया। घटनास्थल का जब सीसीटीवी फुटेज देखा गया तो पता चला कि क्रेन मेट्रो कार्य में लगा हुआ था।

● घटना को लेकर पुलिस ने दी जानकारी

वहीं इस मामले में पटना ट्रैफिक पुलिस की ओर से बयान जारी किया गया है। पुलिस का कहना है कि मंगलवार की सुबह में न्यू बाईपास पर रामलखन पथ के पास हाइड्रा (क्रेन) और ऑटो के बीच टक्कर हो गई। हाइड्रा (क्रेन) रोड में काम कर रहा था और ऑटो मीठापुर से जीरो माइल की तरफ जा रहा था। इसमें चार व्यक्ति की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

भाजपा की झोली कितनी भरेगी पूर्वोत्तर से

जिस पूर्वोत्तर भारत में सूरज की किरणें सबसे पहले पहुंचती हैं वहां की जनता तैयार है, फिर लोकसभा चुनावों में अपना फैसला सुनाने के लिए। बेशक, भारतीय जनता पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है , तो 25 सीटें पूर्वांचल प्रदेशों की भी उसमें शामिल हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में आगामी 19 अप्रैल, 26 अप्रैल और 7 मई को लोक सभा चुनाव के लिए मतदान होना है। अगर बात पिछले यानी 2019 के लोकसभा चुनाव की करें तो पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पार्टी ने जो झंडे गाड़े थे, उसे इस बार भी थामे रखने का पार्टी को पूरा भरोसा है। इस भरोसे के पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह विश्वास है कि उन्होंने जिस तरह से पूर्वोत्तर की विकास की योजनाएं सिरे चढ़ाई हैं, उसके बाद वहां की जनता उनकी पार्टी और सरकार को कभी नहीं भूलेगी। इसमें एक पक्ष यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी की तरह ही गृहमंत्री अमित शाह ने भी पूरे पूर्वोत्तर भारत में विभिन्न शांति समझौते के तहत एक स्थायी शांति का माहौल बनाया है।

चुस्त आंतरिक सुरक्षा के कारण ही पूर्वोत्तर के पूरे इलाके में कोई बड़ी हिंसक वारदात सुनाई नहीं पड़ रही है। हां मणिपुर इसका एक अपवाद अवशय है और वहां भी गृह मंत्रालय ठोस समाधान की तरफ बढ़ रहा है। पूर्वोत्तर की 'सेवन सिस्टर्स' या सात बहनें कही जाने वाली राज्य इकाइयों समेत क्षेत्र के सभी आठ राज्यों को मिलाकर कुल 25 लोक सभा की सीटें हैं। असम में सबसे ज्यादा लोकसभा की 14 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए को 25 में से 21सीटें मिलीं थीं। भाजपा अब की बार पिछला आंकड़ा पार करना चाहती है। अभी तक इंडिया गठबंधन ने ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है कि उनका कोई बहुत बड़ा स्टेक पूर्वोत्तर के राज्यों में लगा है। ममता बनर्जी की टीएमसी और शरद पवार की एनसीपी पिछले चुनावों में यहां कुछ करने की एक अलग कोशिश की भी थी, लेकिन इस बार वह कोशिश भी कहीं दिखाई नहीं दे रही है। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि शरद पवार खुद अपनी पार्टी और अपनी वजूद के लिए अपने भतीजे से लड़ रहे हैं तो ममता बनर्जी अपने घर में ही भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक उपद्रवियों को बचाने के कारण घिरी हुई हैं। पूर्वोत्तर में भाजपा पर विश्वास की वजह पिछले दस साल में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की सक्रिय रूप से विकास पर फोकस और शांति स्थापना की कोशिश है।इसके अतिरिक्त पूर्वांचल प्रदेशों के प्रभारी और सह– प्रभारी डॉ संबित पात्रा और राष्ट्रीय सचिव ॠुराज सिन्हा के लगातार प्रवासों और दिन–प्रतिदिन को मॉनिटरिंग ने पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा के संगठन को मज़बूत ही किया है।

मणिपुर में हालांकि केवल 2 लोक सभा की सीटें है, लेकिन मोदी सरकार के लिए वहाँ के जनजातीय संघर्ष को खत्म करना बहुत जरूरी है। क्योंकि मणिपुर हिंसा इस समय एक राष्ट्रीय मुद्दा बना हुआ है, जो एकतरह से पिछली कांग्रेसी सरकारों की देंन ही मानी जाती है ।इस दशकों पुरानी समस्या के किसी सर्वमान्य निर्णय की लगातार कोशिश गृह मंत्री अमित शाह कर भी रहें हैं। हाल ही में एक ऐतिहासिक घटनाक्रम में भारत सरकार और मणिपुर सरकार ने मणिपुर के सबसे पुराने सशस्त्र समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के साथ एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता सामान्य रूप से उत्तर पूर्व और विशेष रूप से मणिपुर में शांति के एक नए युग की संभावना को जन्म देता है। पहली बार है कि घाटी स्थित एक मणिपुरी सशस्त्र समूह हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने और भारत के संविधान और देश के कानूनों का सम्मान करने पर सहमत हुआ है। यह समझौता न केवल यूएनएलएफ और सुरक्षा बलों के बीच शत्रुता को समाप्त करेगा, जिसने पिछली आधी शताब्दी से अधिक समय से हजारों लोगों की जानें लीं, बल्कि समुदाय की दीर्घकालिक चिंताओं को दूर करने का अवसर भी प्रदान करेगा। यूएनएलएफ 1964 से ही सक्रिय था और यह भारतीय क्षेत्र के भीतर और बाहर दोनों जगह अपना ऑपरेशन चला रहा था।

पूर्वोत्तर में स्थायी शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पहले कार्यकाल से ही तत्पर और सक्रिय हैं। गृह मंत्री अमित शाह कहते हैं कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों की नीतियां समस्याओं से ध्यान भटकाने और सत्ता का आनंद लेने की रही थी। जिसके कारण क्षेत्र में हजारों लोगों की मौत हुई। मोदी सरकार ने न केवल इन समस्याओं के स्थायी निदान के लिए पहल की, बल्कि उग्रवादी गुटों को भी हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए ईमानदारी से कोशिश की। असम में पिछले 40 साल में पहली बार सशस्त्र उग्रवादी संगठन उल्फा ने भारत और असम सरकार के साथ त्रिपक्षीय शांति समझौते पर कायम है। मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में पूर्वोत्तर में हिंसा के काले दौर को समाप्त करने की एक ईमानदार कोशिश हुई। मोदी सरकार के आने के बाद असम का सबसे पुराना उग्रवादी संगठन उल्फा हिंसा छोड़ने, संगठन को भंग करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में शामिल होने पर पूर्णत: सहमत हुआ। अमित शाह कहते रहे हैं कि उग्रवादी बहकाये हुए अपने ही लोग हैं। इन्हें अगर रोजगार के अवसर और सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए तथा नए भारत की तस्वीर दिखाई जाए तो यह हिंसा का रास्ता छोड़ देंगे और मुख्य धारा में शामिल होने के लिए आगे आएंगे। उल्फा के कैडरों का आत्मसमर्पण इसी विश्वास का परिणाम है। शाह की नीतियों की यह सफलता ही है कि पूरे नॉर्थ ईस्ट में 9000 से ज्यादा उग्रवाद पर चल रहे कैडरों ने समर्पण किया है।

पूर्वोत्तर के राज्यों में लोगों की समस्याओं का तुरंत निदान नहीं हो पाने की बड़ी वजह संचार की सुविधा की कमी रही। मोदी सरकार ने इस पर एक बहुत बड़ी पहल की। उन्होंने पूरे देश के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र के सुदूर कोनों को भी 5ॠ कनेक्टिविटी से जोड़ना शुरू किया। मोबाइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सैकड़ों टावर गांवों में लगाए गए। पूर्वोत्तर की स्ट्रेटेजिक लोकेशन को देखते हुए मोदी सरकार इस क्षेत्र को आर्थिक संबंधों के लिए पूरब के द्वार के रूप में विकसित कर रही है। भारत के विकास में यहाँ के लोगों की आकांक्षाएं भी जोड़ रही है। इस समय पूर्वोत्तर में इंफ्रास्ट्रक्चर कनेक्टिविटी में जबर्दस्त काम हो रहा है। पिछले 10 वर्षों में, पूर्वोत्तर में कई चीजें पहली बार हुई हैं। पूर्वोत्तर के कई हिस्से पहली बार रेल सेवा से जुड़ रहे हैं। आजादी के 75 साल के बाद मेघालय भारत के रेल नेटवर्क पर आया। नागालैंड को 100 साल बाद अब अपना दूसरा रेलवे स्टेशन मिला। पहली मालगाड़ी मणिपुर के रेलवे स्टेशन पहुंची। सिक्किम को पहला हवाई अड्डा मिला।

इस रामनवमी की सदियों से थी प्रतीक्षा

डॉ. आशीष वशिष्ठ

अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद 9 अप्रैल को पहली बार रामनवमी का आयोजन हो रहा है। इस रामनवमी को पांच सौ वर्षों बाद श्रीराम लला अपने घर में जन्मदिन मनाएंगे। भव्य राम मंदिर में रामनवमी का ये स्वर्णिम और ऐतिहासिक अवसर सनातनधर्मियों को कड़े संघर्ष से हासिल हुआ है, जिसका पांच सदियों से अधिक का इतिहास है। इसमें 70 से अधिक बार का संघर्ष, जिसमें से अधिकतर मुगल आक्रांताओं द्वारा भारतवासियों और हमारे मंदिरों पर हमले का रक्तरंजित इतिहास शामिल है। लेकिन सबसे ज्यादा पीड़ादायक पिछले 75 वर्ष रहे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने तुष्टिकरण की राजनीति को सिर माथे से लगाया और हिंदू आस्थाओं और भावनाओं को कुचलने में कोई कसर बाकी नही रखी। नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह की सरकार तक ने राम मंदिर की राह में रोड़े अटकाने का काम किया। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार संसद में कहा था कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्रीय स्वाभिमान का मुद्दा है। उनका वह वक्तव्य सही मायने में एक संदेश था जिसमें राजनीति नहीं थी। सही बात तो ये है कि राम मंदिर का विरोध करने वालों ने ही इसे वोट बैंक की राजनीति का हिस्सा बना दिया। कांग्रेस और अन्य कुछ दल मुस्लिम मतों के कारण इस मुद्दे पर हिंदुओं के न्यायोचित दावों की अनदेखी करते रहे। प्रतिक्रिया स्वरूप इस मामले ने दूसरा मोड़ ले लिया। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्य श्रीराम की जन्मभूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवाने का कार्य न्यायालय के निर्णय से संभव हो सका। और वह प्रक्रिया भी वर्षों नहीं दशकों तक चली। सबसे बड़ी बात ये हुई कि बाबरी ढांचे की तरफदारी मुस्लिम धर्मगुरुओं के साथ ही साथ धर्मनिरपेक्षता के झंडाबरदार बने हिन्दू नेतागण भी करते रहे।

सोमनाथ मंदिर को अंतिम बार औरंगजेब ने यह कहकर तोड़वाया था कि, 'इस बार इसे पूरी तरह नेस्तानाबूद कर दो कि मंदिर का कहीं कोई निशान तक दिखाई न दे।' सोमनाथ पर मस्जिद और कब्रिस्तान को सरदार पटेल ने इतिहास की विकृति का चिह्न और राष्ट्रीय अपमान बताकर कहा था कि, ''राष्ट्र के गौरव की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण आवशयक है।'' गांधी जी भी इससे सहमत थे। हिन्दू बहुल देश में प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली को मुक्त करवाने में जिस तरह के अवरोध उत्पन्न किए गए वे अकल्पनीय हैं। यदि सोमनाथ के साथ ही राम जन्मभूमि का मसला भी तत्कालीन नेहरू सरकार सुलझा लेती तब शायद इसे लेकर राजनीति करने का किसी को अवसर नहीं मिलता। वर्तमान में देश में राम नाम की प्रचंड लहर के चलते अब कांग्रेस नेता, समर्थक और मीडिया का एक वर्ग यह साबित करने में जुटा है कि राम मंदिर में कांग्रेस का भी योगदान है। जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि, कांग्रेस ने राम के नाम पर घिनौनी राजनीति का प्रदर्शन किया है। एक ऐसी राजनीति

जिसने राम मंदिर मुद्दे को उलझाने का काम किया। राम मंदिर केस में कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया था कि अयोध्या मामले की जांच को कोर्ट 2019 के आम चुनाव तक टाल दे। 2008 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने इस मामले में हलफनामा दाखिल कर सेतु समुद्रम परियोजना के लिए राम सेतु को तोड़ कर तय वर्तमान मार्ग से ही लागू किये जाने पर जोर देते हुए कहा था कि भगवान राम के अस्तित्व में होने के बारे में कोई पुख्ता साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। ये भी कहा था कि रामायण महज कल्पित कथा है।

हिंदू विरोध की भावना कांग्रेस के डीएनए में है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार ने पहली लोकसभा में 1955-56 में हिंदू कोड बिल्स पास किए। इस बिल को लेकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद और पंडित जवाहर लाल नेहरू के बीच राजनीतिक मतभेद उत्पन्न हो गया था। इसकी एक बड़ी वजह दोनों का धर्म को लेकर रवैया था। वर्ष 1976 में इंदिरा ने देश में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में संशोधन किया, जिसमें सेक्युलर शब्द शामिल किया गया था। जिसका मतलब था कि भारत हिन्दू देश होते हुए भी हिन्दू देश नहीं कहा जा सकता। 1991 में लागू किया गया यह प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। यह कानून तब लाया गया जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम सीमा पर पहुंचा था। इस कानून की परिधि से अयोध्या की राम जन्मभूमि को अलग रखा गया है। कांग्रेस के बनाए कानूनों के चलते ही वर्तमान में ज्ञानवापी, भोजशाला और मथुरा आदि हिंदू आस्था के स्थलों को वापस पाने लिए हिंदू समाज कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल घटक दलों के कई नेता राम मंदिर और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानबाजी करते हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पूरे हिंदू समाज को अखरती है। इससे यह संदेश भी जाता है कि अर्नगल बयानबाजी करने वालों को आलाकमान का समर्थन और मूक सहमति प्राप्त है। वास्तव में, सोमनाथ से अयोध्या तक कांग्रेस का चरित्र बिल्कुल भी बदला नहीं है। 18वीं लोकसभा के गठन के लिए आम चुनाव हो रहे हैं। इंडी गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव नवरात्र के प्रथम दिन मछली खाने का वीडियो बड़ी बेशर्मी से पोस्ट करते हैं। इससे पहले बीते साल सावन के महीने में राजद नेता लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मटन बनाने को वीडियो शेयर किया था। इन वीडियो पर राजद, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल भले ही कोई तर्क दें, वास्तव में उनका मकसद हिंदू समाज को अपमानित करने का है। मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस, राजद, तृणमूल कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल किस स्तर तक नीचे गिरेंगे, इसका आप अंदाजा नहीं लगा सकते। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत विपक्ष के तमाम दल और नेता शामिल नहीं हुए। कांग्रेस राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर को भाजपा और आरएसएस को इवेंट बताती रही। लेकिन जमीन सच्चाई यह है कि कांग्रेस समेत विपक्ष ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से दूरी बनाकर वही गलती की है, जो गलती कभी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी। उस वक्त नेहरू सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन में नहीं गए थे। असल में मुस्लिम तुष्टिकरण कांग्रेस के एजेंडे में प्रथम स्थान पर है। उसके एजेंडे में न सोमनाथ था और न ही अयोध्या है।

राममंदिर किसी की आस्था पर आक्रमण नहीं, भारत की अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का उत्तर है। राम मंदिर के निर्माण से संपूर्ण विश्व में रचता बसता हिंदू समाज आ''ादित है। न्यायालय के निर्णय के बाद भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए हिंदू समाज ने दिल खोलकर सहयोग किया। यह ऐतिहासिक सहयोग इस बात का साक्षात प्रतीक है कि हिंदु समाज इस घड़ी के लिए चिर प्रतीक्षित था। आज अयोध्या में जो भव्य राम मंदिर संसार की शोभा बढ़ा रहा है, वो संसारभर के हिंदुओं की आस्था, एकता, अखण्डता, श्रद्धा, मान्यता और संकल्प का सर्वोच्च पवित्र प्रतीक है। इस रामनवमी को हिंदू समाज अपने आराध्य भगवान श्रीराम के पूजन वंदन के समय अपने पूर्वजों के संघर्ष और बलिदान को भी अवशय स्मरण करना चाहिए। इसी दिन के लिए तो निहत्थे राम भक्तों ने अपने सीनों पर गोलियां खाई थी। जिस सरयू में आज हम और आप स्नान ध्यान और आचमन कर रहे हैं, उसका जल किसी समय राम भक्तों के रक्त से लाल हुआ था। इसी दिन के लिए तो हमारे पूर्वजों ने धैर्य पूर्वक हिंदू विरोधी सरकारों से राजनीतिक लड़ाई लड़ी। न्यायालय में अपना पक्ष तथ्यों और साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत किया। किसी भी स्तर पर उतावलापन, उत्तेजना और अधीरता का प्रदर्शन नहीं किया। इस घमंड या अहंकार में भी नहीं आए कि हम बहुसंख्यक हैं। वास्तव में, राम मंदिर के लिए संघर्ष संपूर्ण हिंदू समाज की सहनशीलता, धैर्य और कानून के प्रति आदर के उच्च भाव को दर्शाता है। वो अपने संकल्पों पर अडिग रहता है। बड़ी से बड़ी बाधा को वो कानून और नैतिकता के सीमा में रहकर ही पार करता है।

इस रामनवमी को एक दीपक उन सभी नाम अनाम शहीद कारसेवकों और रामभक्तों के नाम का भी अवशय प्रज्जवलित करना चाहिए जिन्होंने राम मंदिर आंदोलन में अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। उन्हीं महान बलिदानियों के त्याग के कारण आज बालक राम भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हो पाए हैं। रामनवमी के शुभ अवसर पर भगवान सूर्य अपने प्रकाश से बालक राम का तिलक करके अखिल विश्व को यह संदेश देंगे कि लाखों षडयंत्रों, अन्याय और अत्याचारों के बावजूद सनातन धर्म का मस्तक झुकाया नहीं जा सकता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सदैव अनुकरणीय रहेंगे भगवान श्रीराम के आदर्श

योगेश कुमार गोयल

समूचे भारतवर्ष में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्यौहार भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है, जो इस वर्ष 17 अप्रैल को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। रामनवमी के दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं। अयोध्या के भव्य राम मंदिर में जनवरी में हुई भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद इस बार पहली बार रामनवमी बेहद खास होगी। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आएगी और हर तरफ भजन-कीर्तन तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ेगी। रामनवमी के अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए इस बार लाखों लोगों के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है और इसके लिए खास प्रबंध किए गए हैं।

विधि-विधान के अनुसार भगवान श्रीराम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेलीं और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरुषोत्तम' कहा गया। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्ति बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाड़ले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वनवास की यात्रा की शुरुआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पणखा की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14 हजार राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट श्रीराम के अनन्य भक्त हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध करके सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानरसेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया और लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए। एक ओर जहां रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक थे। सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने इसके बाद भी रावण को एक महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

'ममता दीदी! बंगाल में स्त्री अस्मिता लुट रही और आप तुष्टीकरण में लगी हैं'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कहने को कहा जाता है कि जिसने दर्द नहीं सहा, वह क्या जानें पीर पराई, ममता बनर्जी को लेकर जब उनके प्रशंसक उनका गुणगान करते हैं तो यही बताते हैं कि बहुत संघर्ष भरा है 'ममता दीदी' का राजनीतिक जीवन। वह 1992 का दिसम्बर महीना विशेष तौर पर याद दिलाना नहीं भूलते, जब एक शारीरिक रूप से अक्षम लड़की फेलानी बसाक (जिसका कथित तौर पर सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं द्वारा बलात्कार किया गया था) को वह तत्कालीन मुख्यमंत्री ज्योति बसु के पास ले गई थीं, लेकिन पुलिस ने उन्हे उलटा गिरफ्तार कर लिया था। यानी 'दीदी' के प्रशंसक यह जरूर बताते हैं कि उनका राजनीतिक सफर स्त्री अस्मिता के लिए संघर्ष करनेवाली बुलंद आवाज के रूप में शुरू हुआ है। लेकिन आज इस प्रशंसा के इतर हकीकत क्या है पश्चिम बंगाल की? कहीं कोई सुरक्षित नहीं, पूरे बंगाल में दंगे कभी भी भड़क सकते हैं।

वस्तुतः ममता राज में कोई एक वर्ष भी ऐसा नहीं गुजरा है जब रामनवमी, दुर्गा उत्सव या अन्य हिन्दू त्यौहारों पर शांति बनी रही हो और इस्लामिक भीड़ ने पत्थर न बरसाए हों। अक्सर आतंकवादी पश्चिम बंगाल के अलग-अलग स्थानों से पकड़े जाते हैं। बेंगलुरु ब्लास्ट के आतंकी भी यहीं आकर छिपे थे। हां, बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में ब्लास्ट करने वाले मुख्य आरोपित को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है। दोनों ही कोलकाता से हिरासत में लिए गए। शाजिब हुसैन ने कैफे में आईईडी रखा था जबकि अब्दुल मतीन ताहा ने धमाके की साजिश रची थी।

जिन 'ममता दीदी' के राजनीतिक जीवन को स्त्री अस्मिता से जोड़ा जाता है, उसी ममता के राज में आज संदेशखाली जैसी घटनाएं वर्षों से घट रही हैं। अभी यदि चप्पे-चप्पे की जांच हो जाए तो पता नहीं बंगाल में न जाने कितने ही संदेशखाली निकलकर सामने आ जाएंगे। दूसरी ओर 'ममता दीदी' की ममता है कि सत्ता के लिए अपराधियों को लगातार संरक्षण देती है। एक स्त्री होकर स्त्री अत्याचार पर 'ममता' की चुप्पी, पुलिस को अत्याचारियों के स्थान पर पीड़ितों पर ही अत्याचार करने की छूट दे देना, आखिर क्या बता रहा है? यही कि 'ममता बनर्जी' वक्त के साथ इतनी बदल गई कि उनके लिए राजनीति ही सब कुछ हो गई है। वह अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। पश्चिम बंगाल में एक नहीं कई संदेशखाली भी सामने आ जाएं तो भी उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता ! उनकी सत्ता हर हाल में बनी रहना चाहिए।

वह तो अच्छा है कि देश में न्यायालय है, केंद्र सरकार है, कई राष्ट्रीय एजेंसियां हैं, आयोग हैं, जोकि पीड़ित का पक्ष सुनने के लिए मौजूद हैं और उसके आधार पर राज्य सरकारों को निर्देश देने तथा पीड़ित को संरक्षण प्रदान करने की व्यवस्था मुहैया कराने में सक्षम हैं। यदि यह नहीं होते तो सोचिए; 'ममता बनर्जी' अपनी सत्ता का और कितना

अधिक दुरउपयोग करतीं, जब अभी राज्य में पुलिस प्रशासन एवं तुष्टिकरण का यह हाल है!

वस्तुतः संदेशखाली मामले में सुनवाई जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, न्यायालय के सामने कई चौंकाने वाले साक्ष्य सामने आ रहे हैं। कई आयोग अपने स्तर पर सही तथ्यों को जानने का प्रयास कर रहे हैं और वे अब तक जितना जान पाए उसके आधार पर वह बहुत असहज हैं कि आखिर एक स्त्री होकर भी 'ममता' को पश्चिम बंगाल की स्त्रियों का दर्द क्यों नहीं अनुभूत हुआ। वह इतना सब होने के बाद अब भी क्यों नहीं समझना चाहतीं अपने राज्य की स्त्रियों की समस्याएं और उनका भोगा हुआ दर्द से भरा यथार्थ ।

यहां स्थिति कितनी भयाभह होगी, इसका तो सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है, क्योंकि कलकत्ता हाई कोर्ट तक को संदेशखाली मामले की जांच अपनी निगरानी में सीबीआई से करवाने के निर्देश देने तक की आवशयकता महसूस हुई है । टीएमसी के पूर्व नेता शाहजहां शेख पर संदेशखाली की महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने, जमीन कब्जाने और जबरन वसूली जैसे न जाने कितने ही आरोप हैं। हद तो यह है कि जब न्यायालय हस्तक्षेप करता है और निर्देश देता है, तब कहीं जाकर 'ममता' की बंगाल पुलिस शाहजहाँ शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार को गिरफ्तार कर जेल भेजती है, अन्यथा तो अपने संरक्षण में इन्हें और इन जैसे न जाने कितने ही मानवता के शत्रु गुण्डों को यह संरक्षण दे ही रही है?

कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश में कहा गया है कि संदेशखाली यौन उत्पीड़न, बलात्कार और अन्य मामलों में हाई कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच होगी । पश्चिम बंगाल सरकार सीबीआई अधिकारियों और संदेशखाली के पीड़ितों को पर्याप्त सुविधाएँ और सुरक्षा प्रदान करेगी। हाई कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को मछली पालन के लिए कृषि भूमि के अवैध रूपांतरण पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। वहीं, राज्य सरकार को आदेश दिया कि 15 दिनों के अंदर संदेशखाली के इलाके में सीसीटीवी कैमरे लग जाने चाहिए। जरूरत के हिसाब से एलईडी लगाए जाएं। इन सबका खर्च बंगाल सरकार उठाएगी ।

कहना होगा कि न्यायालय के आदेश के बाद अब पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार सीबीआई जांच पर रोक नहीं लगा पाएगी। साथ ही जमीन हड़पने और ईडी पर हमले के मामले में पहले से ही सीबीआई जांच चल रही है।

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से नेतागण क्या करते रहे थे, इसका एक चिट्ठा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने अपनी रिपोर्ट के माध्यम से भी रखा है। आयोग ने घटनास्थल पर की गई जांच में पाया कि पीड़ितों पर कई तरह से अत्याचार हुए हैं। यहां के लोगों को हमले, धमकी, यौन शोषण, भूमि पर कब्जा और जबरन अवैतनिक श्रम का सामना करना पड़ा है। शासकीय अधिकारियों की मिली भगत से यहां के आमजन को वोट देने के अधिकार से भी वंचित किया गया। सरकारी योजनाओं में भेदभाव किया जा रहा था । एनएचआरसी ने बहुत विस्तार से अपने ये आंकड़े रखे हैं।

कहना होगा कि जिस 'ममता बनर्जी' को क्रूर सत्ता के विकल्प के रूप में पश्चिम बंगाल की जनता ने चुना था, वह 'ममता' पिछले कई वर्षों से सत्ता में आने के बाद अपनी राजनीतिक इच्छापूर्ति हर हाल में पूरा करने में लगी हुई हैं। पश्चिम बंगाल कल भी सुलग रहा था और आज भी सुलग रहा है। कहीं संदेशखाली हो रहा है तो कहीं आतंकी आराम से मौज मना रहे हैं। कहीं ममता सरकार के मंत्री और विधायक आम जनता को खुलेआम धमकी दे रहे हैं कि तुम्हें तो यहीं रहना है, चुनाव में टीएमसी को ही वोट देना, नहीं तो आगे अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहो! दूसरी ओर 'ममता बनर्जी' हैं जो स्वयं तुष्टिकरण की राजनीति करने में लगी हुई हैं । वह बोल रही हैं कि उनके रहते हुए पश्चिम बंगाल में सीएए, एनआरसी और यूसीसी लागू नहीं होगा, जबकि सीएए नागिरकता देने वाला कानून है, यूसीसी देश में सभी नागरिकों को समान कानून का कवच देता है जबकि एनआरसी अवैध नागरिकों की पहचान कराता है। कुल मिलाकर पूर्णतया मुस्लिम तुष्टिकरण के माध्यम से उन्हें लगता है कि संसद में अपने अधिकतम लोगों को वह पहुंचाने में सफल होंगी और इसी तुष्टिकरण के जरिए वे आगे भी बंगाल की सत्ता पर काबिज बनी रहेंगी, उनका कोई भी 'बाल बांका' नहीं कर सकता है!

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

संक्षिप्त समाचार

26 मई को निकलेगी भगवान परशुराम की शोभायात्रा

● बैठक में परशुराम शोभायात्रा को लेकर चर्चा, 10 मई कलश यात्रा व अभिषेक कार्यक्रम

चमकता राजस्थान/नदबई,(राजवीर सिंह)। यहां ब्राह्मण धर्मशाला में तहसील अध्यक्ष अशोक उपाध्याय की अध्यक्षता में ब्राह्मण समाज कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई। जिसमें भगवान परशुराम की शोभायात्रा को लेकर चर्चा करते दिलीप होंडा को यात्रा संयोजक नियुक्त किया। बाद में भगवान परशुराम के 10 अप्रेल को अक्षय तृतीया पर कलश यात्रा व जलाभिषेक व 26 मई को बैण्ड-बाजे के बीच भव्य शोभायात्रा निकालने का निर्णय लिया। बैठक में पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष जगदीश बौहरा, महामंत्री त्रिलोक शास्त्री, अजय कटारा, दुलीचंद लवानिया, मदन मोहन शर्मा, भगवत उपाध्याय, नन्दकिशोर उपाध्याय, तारा लवानिया, दिलीप बहरामदा, राजेश खेडी, रोहित उपाध्याय, यादवचंद लवानिया, नत्थी लवानिया, हरिमोहन गौतम आदि मौजूद रहे।

बीजेपी शिक्षक प्रकोष्ठ प्रांत सह संयोजक डॉ प्रो जग्गो सिंह ने किया जन सम्पर्क

● बीजेपी को वोट देने के लिए जनता से की अपील

चमकता राजस्थान। भरतपुर(राजवीर सिंह) भारतीय जनता पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रांत सहसंयोजक एवं चुनाव प्रबंधन समिति के एससी प्रमुख प्रोफेसर डॉ जग्गो सिंह एवं मंडल उपाध्यक्ष राकेश कुमार वर्मा ने गांव सेहनावली,रारह, सान्तुरुक एवं ताखा में लोगों से संपर्क कर बाबासाहेब के पंच तीर्थो को विकसित करने एवं उन्हे भारत रत्न दिलवाने में दिये गये योगदान की सराहना करते हुए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने एवं भारतीय जनता पार्टी के भरतपुर से लोकसभा प्रत्याशी रामस्वरूप कोली को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की जनता से अपील करते हुए जन सम्पर्क किया। केंद्र एवं राज्य सरकार में चलाई जा रही डबल इंजन की सरकार में जन कल्याण योजनाओं जैसे पीएम विश्वकर्मा योजना, उज्जवला योजना, पीएम आवास योजना, हर घर जल मिशन योजना सहित तमाम योजनाओं के बारे में अवगत कराया। राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री ने किसानों के लिए ईआरसीएपी परियोजना को लागू कर किसानों के लिए पानी की समस्या का निस्तारण कर भागीरथ का काम किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आने वाले समय में भरतपुर को और कई नई सौगातें देने वाले है।

निर्वाचन तैयारियों पर कस ली कमर, बुनियादी सुविधाओं में नहीं रहेगी कसर

● मतदाता और मतदान दल की सहूलियत हमारा प्राथमिक ध्येय- जिला निर्वाचन अधिकारी

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण) धौलपुर, 16 अप्रैल। लोकसभा आम चुनाव में मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं को सभी बुनियादी आवश्यकताएं एवं वहां निर्वाचन दायित्व में लगे मतदान दल को हर संभव सहूलियत प्रदान की जायेगी मतदाता एवं मतदान दल का कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में से एक है, यह उद्गार जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी ने दिये। जिला निर्वाचन अधिकारी मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा है कि मतदान केन्द्रों पर सभी व्यवस्था मुहैया करने हेतु सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं, प्रशासन निर्वाचन के अंतिम महत्वपूर्ण कार्य अर्थात मतदान हेतु कटिबद्ध ढंग से तैयार है। सभी मतदान केन्द्रों पर छाया पानी के पूरे इंतजामात रहेंगे। दिव्यांग मतदाताओं एवं निशक्त वरिष्ठ मतदाताओं के लिये व्हीलचेयर्स का प्रबंध किया गया है। दिव्यांग मतदाताओं को लाने ले जाने की भी चौकस व्यवस्थाएँ की गई हैं। गर्मी के मौसम को देखते हुये मतदान केन्द्रों पर प्राथमिक चिकित्सा हेतु आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध कराई जायेगी।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का 17 अप्रैल को बाड़ी में रोड शो

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण) राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी का धौलपुर जिले के बाड़ी में 17 अप्रैल का दौरा में संसदीय क्षेत्र करौली धौलपुर की भाजपा प्रत्याशी इंदु देवी जाटव के समर्थन में बाड़ी में बड़ी जनसभा को सम्बोधित करेंगी, और भारी भीड़ के साथ बाड़ी बाजार में डिप्टी सीएम का रोड शो शहर के अम्बेडकर पार्क से होता हुआ एसडीएम ऑफिस के सामने दाऊजी मन्दिर तक बाड़ी के पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के नेतृत्व में भारी भीड़ के साथ रोड शो किया जाएगा। तथा राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी व पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट दोनों का 17 अप्रैल को धौलपुर दौरा में अपनी अपनी पार्टी व अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में दोनों ही दिग्गज नेता कल धौलपुर और बाड़ी मेंअलग-अलग जगह पर अपनें - अपने प्रत्याशियों के समर्थन में सभा को सम्बोधित करेंगे। धौलपुर की राजनीति जिले की जनता को ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है! कि एक के बाद एक जा रहा है, तो दूसरा दिग्गज नेता आ रहा है। लेकिन कुछ भी हो दोनों ही पार्टियां धौलपुर मेंअबकी बार दिग्गजों को उतार कर। जनता के बीच दोनों ही पार्टियों ने अपनी - अपनी कथनी और करनी में कसर नहीं छोड़ते हुए पूरी ताकत झोंकने में लगी हुई है। खैर इनकी ताकत का पता तो चुनाव बाद ही चलेगा।

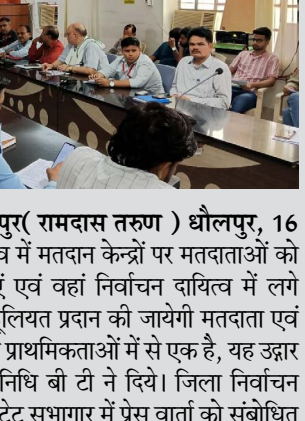

विभिन्न समाजों ने की भाजपा को समर्थन दिए जाने की घोषणा

कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति को बनाया चुनावी हथियार, हमारे पास सिर्फ विकास के कार्यः मंजू शर्मा

रामनवमी पर जयपुर शहर से भगवा ध्वज हटाने का जवाब अब जयपुर की जनता देगीः बालमुकुन्दाचार्य

चमकता राजस्थान

भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने हवामहल विधानसभा क्षेत्र में किया जनसम्पर्क

जयपुर, (खलील कुरैशी) 16 अप्रैल 2024। जयपुर शहर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने आज हवामहल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों का दौरा जनसंपर्क किया। इस दौरान उनका जगह जगह माला, साफा पहनाकर, शॉल तथा चुनरी ओढाकर स्वागत किया गया। जनसंपर्क के दौरान भंवरलाल शर्मा अमर रहे, गिरधारीलाल भार्गव अमर रहे जैसे नारे गूंजते रहे। जनसम्पर्क कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही वहीं विभिन्न समाजों की ओर से जगह जगह स्वागत कार्यक्रमों का आयोजन कर भाजपा को समर्थन दिए जाने की घोषणा की गई।इस दौरान जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कहा कि परकोटा क्षेत्र के विकास की नींव स्व. भंवरलाल शर्मा ने रखी थी, सबसे पहले उन्होंने परकोटे को स्वच्छ बनाने के लिए अभियान चलाया था और जयपुर को विश्व विरासत का दर्जा दिलाने में उनका बडा योगदान है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 10 साल का रिपोर्ट कार्ड है। हमारे पास दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी का नेतृत्व है। कांग्रेस के पास नियत, ना नेता और ना ही नीति है। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण को अपना ध्येय मान कर काम करती रही है। वर्ष 2014 में जो भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था वही आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि जयपुर में पिछले 10 सालों में स्वदेश दर्शन योजना के तहत आध्यात्मिक स्थलो का जीर्णोद्धार किया गया है। इस दौरान 60 करोड की लागत से जयपुर के गोविन्द देवजी मंदिर, कनक वृन्दावन, गलता जी, घाट के बालाजी, खोले के हनुमानजी तथा अन्य धार्मिक स्थलों का विकास किया गया है।

भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने कहा कि 2014 से पहले देश में अनगिनत घोटाले होते थे, देश में आतंकवादी आते थे और बम फोडकर चले जाते थे, देश तुष्टिकरण की राजनीति हो रही थी, जनता को लगने लगा था कि आखिर ऐसी आजादी के क्या मायने है। 2014 के बाद भाजपा की मोदी सरकार ने गरीब और किसानों के कल्याण से लेकर सीमाओं की सुरक्षा, और विकास के लेकर देश का स्वाभिमान बढ़ाने का काम किया। देश की जनता ने देखा कि किस प्रकार आतंकी घटनाओं का जवाब दुश्मन के घर में घुसकर दिया गया, माताओं-बहनों को सम्मान मिला।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश बदलने की बात कर रहे हैं, किसानों की दशा बदलने की बात कर रहे हैं, सड़क बनाने की बात कर रहे हैं, महिलाओं को सशक्त करने की बात कर रहे हैं लेकिन कांग्रेस के नेता अभी भी सिर्फ धर्म और जाति की बात कर रहे है।

हवामहल विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने कहा कि कांग्रेस के नेता समुदायों के बीच वैमनस्यता फैलाने का कार्य कर रहे है। कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति की है और वर्ग विशेष को खुश करने के लिए बहुसंख्यक वर्ग पर अत्याचार किए है। जयपुर में ही रामनवमी पर लगाए गए भगवा झंडे कांग्रेस के नेताओं को पसंद नहीं आए और उन्होंने भगवा झंडे ही उतरवा दिए। इस प्रकार के कार्यों से कांग्रेस नेताओं के चाल, चरित्र और मंशा का पता चलता है। उन्होंने कहा कि हर साल रामनवमी के अवसर पर जुलूस निकाला जाता है। इस जुलूस को देखते हुए शहर में घरों और दुकानों पर भगवा ध्वज लगाए गए थे। इन भगवा ध्वज से ही कांग्रेस को परेशानी हो गए और जिला कलेक्टर को शिकायत कर ध्वज हटवा दिए। भगवा ध्वज हटाने का जवाब अब जयपुर की जनता ही देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में भी तुष्टीकरण की पराकाष्ठा की गई है। यहां आपसी झगडे में एक युवक की मौत होने पर 12 घंटे में ही 50 लाख रूपए और डेयरी बूथ का आवंटन कर दिया जाता है लेकिन वाल्मिकी समाज के एक व्यक्ति की मौत होने पर उसे दो माह तक मुआवजा नहीं दिया जाता। कांग्रेस चाहती है कि देश भगवा मुक्त हो पर अब जयपुर की जनता चाहती है कि देश कांग्रेस मुक्त हो। कांग्रेस नेताओं को भगवा ध्वज और राम नाम से आपत्ति है। चुनाव और राम नाम का कोई लेना देना नहीं है। चुनाव से हटकर रामनवमी का त्योहार है परन्तु कांग्रेस को तो इन त्योंहारों से ही परेशानी है।

● यहां किया जनसंपर्क

» भाजपा प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत पारीक और मीडिया समन्वयक मुकेश भारद्वाज ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा ने जनसम्पर्क अभियान की शुरूआत इन्द्रा वर्मा कॉलोनी से की। उन्होंने रावण का चौराहा, टीलेश्वर महादेव, पशुपति नाथ रोड, पट्टियों की टाल, ललिता कॉलोनी, सुभाष कॉलोनी चौराहा, शिव शक्ति कॉलोनी, पी एण्ड टी चौराहा, विश्वकर्मा, शिवाजी नगर, शिवाजी स्कुल, सेन्ट सोफीया स्कूल, झुलेलाल मन्दिर, सैक्टर 45, खण्डेलवाल चौराहा, मोहन नगर, मुंशी रामदास जी की हवेली गंगापोल, पुराना आमेर रोड, जोरावर सिंह गेट, वार्ड 20, शंकर नगर, कृष्णा गार्डन, माउण्ट रोड, वार्ड 10, वैष्णों देवी मंदिर, काला हनुमान मंदिर, लम्बी लाट, इंदिरा कॉलोनी, गुर्जर घाटी चौराहा, हनुमान चौराहा, जलमहल पाल, रामगढ़ मोड, कर्बला, वार्ड 12, अयोध्या मार्ग, वार्ड 21, प्रतापेश्वर मंदिर, श्री गणेश कॉलोनी, पुष्प गार्डन, बदनपुरा, गणेश मंदिर, मुरली मनोहर मंदिर, सीएसए कॉलोनी, वार्ड 22, विजय बाग, दशहरा कोठी, वार्ड 22, मीणा कॉलोनी, ओमकारेश्वर राम मन्दिर, अमर बडाया की गली, नेहरू सेवा सदन गुरूद्वारा, अयोध्या पथ, हीरा पैलेस, करबला मोड, मानबाग, गोपी कॉलोनी, शनि महाराज मन्दिर, सब्जी मण्डी, विजय कॉलोनी, खोर चौराहा, तेजाजी मन्दिर, श्याम वाटिका, द्वारकापुरी, मानबाग में जनसंपर्क किया।

● यह रहे उपस्थित

» जनसंपर्क के दौरान विधानसभा संयोजक सुरेश गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष महेन्द्र यादव, भाजपा शहर मंत्री स्नेहलता शर्मा, मंडल अध्यक्ष मानसिंह देवडा और कैलाश जांगिड, हर्षवर्धन शर्मा, पार्षद, पार्षद प्रत्याशी तथा विभिन्न मोर्चो और प्रकोष्ठों के पदाधिकारी साथ रहे।

लोकसभा आम चुनाव- 2024

बच्चों ने किया आह्वान...लोकसभा चुनाव में अवश्य करें मतदान

● मतदाता जागरुकता अभियान के तहत हुए रैली, शपथ, मानव श्रृंखला सहित कई आयोजन

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 16 अप्रैल। लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित एवं जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह के निर्देशन में मतदाता जागरुकता अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।इसी कड़ी में मंगलवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर जयपुर पूर्व एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी विधानसभा क्षेत्र मालवीय नगर सुमन पंवार की मौजूदगी में जयपुर के जवाहर सर्किल स्थित पत्रिका गेट जवाहर सर्किल जयपुर में स्वीप कार्यक्रम सतरंगी सप्ताह के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।लाल रंग की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में मैं भारत हूं, भारत है मुझ में मतदाता गीत का भारतीय सांकेतिक भाषा में संजय भारद्वाज सुपरवाइजर एवं छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। इसके बाद कार्यक्रम के प्रतिभागियों से संवाद कर श्रीमती पंवार ने न केवल उनको मतदान के लिए प्रेरित किया बल्कि लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित एनएसएस की छात्राओं द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। इसी दौरान पंवार ने वोटर हेल्पलाइन, सक्षम, सी विजिल, केवाईसी, एप के बारे में जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से मतदान जागरूकता हेतु अधिक से अधिक संकल्प पत्र भरवाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अगले चरण में उपस्थित विद्यार्थियों एवं आमजन ने वोट आकार की मानव श्रृंखला बनाकर मतदान जागृति का संदेश दिया। सहायक रिटर्निंग अधिकारी पंवार ने विद्यार्थियों एवं आमजन को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलवाई गई तत्पश्चात पवार द्वारा रैली को हरी झंडी दिखाकर पत्रिका गेट से रवाना किया जिसमें विद्यार्थियों, आमजन एवं मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र के सुपरवाइजर, बूथ लेवल अधिकारियों ने शिरकत की।वहीं, जिला स्वीप टीम द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के राजनीतिक विज्ञान विभाग एवं मणिपाल यूनिवर्सिटी में भी मतदाता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला स्वीप कॉर्डिनेटर श्रीमती मितेश कुमारी ने प्रतिभागियों को मतदान की शपथ दिलाई। वहीं, बिन्दु चौधरी ने इस मौके पर भारतीय निर्वाचन विभाग के केवाईसी, सी-विजिल, वीएचए एवं सक्षम एप जैसे मोबाइल एप की जानकारी भी प्रदान की।

जयशंकर टाईगर क्लब ने श्रीराम शोभायात्रा में आने का आह्वान किया

चमकता राजस्थान। भरतपुर(राजवीर सिंह) जय जय श्री राम किला स्थित जयशंकर टाईगर जूडो कराटे क्लब के खिलाड़ियों ने श्री राम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित हो रही श्री राम शोभा यात्रा में भरतपुर के सभी महानुभावों से अनुरोध किया कि इस रामकाज में सपरिवार उपस्थित रहकर जन जन की आस्था के केंद्र प्रभु श्रीराम जी के जन्मोत्सव को वर्ष के सबसे बड़े त्यौहार के रूप में आयोजित करने का आ''ान किया। टाईगर क्लब के सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर ने कहा कि यह संपूर्ण भारत देश में उत्सव का दिन है। पिछले 500 वर्षों के तप, अनगिनत बलिदानों के पश्चात इस रामनवमी पर श्री रामलला अयोध्या में विराजमान हुए हैं। श्री राम जन्मोत्सव शोभायात्रा 17 अप्रैल बुधवार को दोपहर 12 बजे से कृषि उपजमंडी, डीग रोड से प्रारम्भ होकर मुख्य बाजार से निकलेगी। यह विशेष पर्व, रामत्व जगाने का पर्व है। कार्यक्रम के अंत में टाईगर क्लब के खिलाड़ियों ने सभी भक्तगणों से अनुरोध किया कि राम जन्मोत्सव शोभा यात्रा में सहपरिवार पधार कर यात्रा को सफल बनाएँ। कार्यक्रम में भरतपुर ताइक्वांडो संघ सचिव दीप्ति शर्मा, राहुल जाटव, आस्था गुप्ता, हिमांशी नामा, सुमित कांसना, संतानु राजपूत, तुषार पठानीया, पार्थ फ़ौजदार, राम्या, अहाना गुप्ता, जीवा सिंह आदि अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी ने किया पुष्कर विधानसभा क्षेत्र में तूफानी जनसंपर्क

चमकता राजस्थान

अजमेर / पुष्कर । अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ के सानिध्य में आज पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायत में तूफानी द्वारा कर व्यापक जनसंपर्क किया ।राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ ने ग्राम थल एवं रूपनगर में आयोजित विशाल जनसभा में अजमेर के चहुमुखी विकास के लिए कांग्रेस प्रत्याशी चौधरी के पक्ष में मतदान करने का आव्हान किया।ग्राम थल में पर पुष्कर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पुष्कर अध्यक्ष संजय जोशी,रामविलास थाकण, युवा नेता अरशद इंसाफ, विजय सिंह सोमरा,थल सरपंच हरी राम खाचरिया,देवा खाचरिया, राधा किशन घसवा, सूरज करण घसवा, हरदेव जी घसवा ,भागचंद जी गुर्जर , पप्पू राम जी डोई सहित कांग्रेस के पदाधिकारी व ग्रामवासी मौजूद थे।रूपनगढ़ में रूपनगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीवण राम भाकर,पुष्कर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पुष्कर अध्यक्ष संजय जोशी, युवा नेता अरशद इंसाफ,रामविलास थाकण,लिखमा बाना,रामदीन बाना, बाना,ओमप्रकाश मुण्ड,हरी जाखड़, रामनारायण कुमावत, जब्बार चीता खेडा, रामचन्द्र मुण्ड, सेठू राम मेघवाल,पूरण गुर्जर, जमील कुरेशी ,सहित कांग्रेस पदाधिकारी व ग्रामवासी मौजूद थे।

झुन्झनू भाजपा लोकसभा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी के समर्थन में विशाल सभा का आयोजन

● हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किया सभा को संबोधित

● केंद्र में भाजपा सरकार अबकी बार 400 पार..... नायब सिंह सैनी

चमकता राजस्थान। उदयपुरवाटी ' (सुमेर सिंह राव) कस्बे में बस स्टैंड पर झुंझुनू लोकसभा भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी के नेतृत्व में जन सभा का आयोजन किया गया ' इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की भाजपा अब की बार 400 के पार करनी है ' हरियाणा की यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अधिक से अधिक मतदान कर भाजपा को विजय बनाए ' उन्होंने कहा कि जिले में पीने के पानी की समस्या हमेशा रही है जल्दी ही यमुना का पानी जिले में आ जायेगा ' लोगों को पीने के पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा ' आप भाजपा का फूल खिलाए ओर मोदी सरकार बनाए ' जन सभा को कई भाजपा राजनेताओं ने संबोधित किया ' कार्यक्रम में खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर , उदयपुरवाटी भाजपा नेता विजेन्द्र सिंह इन्द्रपुरा , नगर पालिका अध्यक्ष रामनिवास सैनी,दशरथ सिंह शेखावत, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल,भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी ,भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष पवन मावडिया सहित भाजपा के कई नेता, कार्यकर्ता एवं पार्षद गण मौजूद रहे '

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर लोकसभा प्रत्याशी रामचन्द्र चौधरी के समर्थन किया जनसभा को संबोधित

प्रधानमन्त्री मोदी भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना दिखाकर देश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं : गहलोत

चमकता राजस्थान

अजमेर । (रघुनंदन पारीक) राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना दिखाकर देश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं ।पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत आज आजाद पार्क में अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित कर रहे थे । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मुंह से भ्रष्टाचार मुक्त भारत का नारा शोभा नहीं देता है।उन्होंने कहा कि देश के विपक्षी दलों के 25 दिग्गज नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले थे उनके द्वारा भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते ही वह पाक दमन हो गए ।पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने तंज करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचारियों का आश्रय स्थली है । भ्रष्टाचारी भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन करते ही भाजपा की वाशिंग मशीन में साफ सुथरा हो जाता है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विधानसभा चुनाव में कहा था कि राजस्थान सरकार की कल्याणकारी नीतियों को बंद नहीं किया जाएगा बल्कि उनको और मजबूत बनाया जाएगा । भारतीय जनता पार्टी की कथनी और करनी में फर्क है । आज उनकी नीतियों के कारण राजस्थान में डबल इंजन की सरकार मे मजदूर युवा छात्र महिला एवं किसान पीडित है । कांग्रेस की सरकार ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा में उल्लेखनीय काम किया था। 25 लाख रुपए तक इलाज चिरंजीवी योजना को बंद कर आयुष्मान भारत योजना में मात्र 5 लख रुपए तक का मुफ्त इलाज दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राजस्थान के 25 सांसदों ने पिछले 10 साल में राजस्थान के विकास के लिए कोई कार्य नहीं किया ।पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अजमेर के सांसद भागीरथ चौधरी पर तंज कसते हुए कहा कि 5 साल में उन्होंने कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया है। और सांसद धर्म ,राज धर्म एवं जन सेवा धर्म तीनों नहीं निभाए ।

उन्होंने अजमेर के चौमुखी विकास के लिए अजमेर में श्वेत क्रांति के जनक किसान पुत्र रामचंद्र चौधरी को अपना मर्द समर्थन एवं आशीर्वाद देकर विजय बनाने का आ''ान किया मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का राजपूत समाज में ने अजमेर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया।अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी एव देहात कांग्रेस द्वारा आयोजित विशाल आमसभा में पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डां रघु शर्मा आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौर विधायक विकास चौधरी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री नसीम अख्तर पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन देहात अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौर पूर्व सांसद प्रभा ठाकुर ब्रह्मदेव कुमावत बाबूलाल नागर महेंद्र सिंह गुर्जर रामनारायण गुर्जर नाथूराम सिनोदिया महेंद्र सिंह रलावता डॉ श्री गोपाल बाहेती द्रौपदी कोली आदि में संबोधित कर कांग्रेस प्रत्याशी रामचन्द्र चौधरी को विजय बनाने का आह्वान किया।राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आज आजाद पार्क में कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में आयोजित विशाल आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कल रामनवमी है। रामनवमी की मेरी ओर से आप सबको राम राम । राम चंद्र जी को ज़ताओ चमत्कार दिखाओ। पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत ने व्यंग्य करते हुए कहा कि रामचंद्र जी को लोकसभा में भेजो लोकसभा में रोज रामचंद्र जी की दहाड सुनाई देगी अजमेर के विकास की गंगा बहेगी।

● कांग्रेसियों ने की पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत की हेलीपैड पर अगवानी

अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी के समर्थन में आयोजित जनसभा में भाग लेने के लिए आए पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की कांग्रेसियों ने घुघरा स्थित हेलीपैड पर अगवानी की। हेलीपैड पर कांग्रेसियों ने पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को सूत की माला पहनाकर एव साफा पहनाकर स्वागत किया ।इस अवसर पर अजमेर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल पूर्व चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा अजमेर देहात कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह राठौड़ विधायक विकास चौधरी आरटीडीसी के पूर्व अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौर द्रौपदी कोली पूर्व विधायक राकेश पारीक रामनारायण गुर्जर डॉ श्रीगोपाल बाहेती नाथूराम सिनोदिया कयूम खान शिव प्रकाश गुर्जर वाजिद खान राजेश टंडन पूर्व मेयर कमल बाकोलिया सौरभ बजाड शिवकुमार बंसल मोहित मल्होत्रा जयशंकर चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल पवन हमीदा बानो कपिल सारस्वत अरशद इंसाफ सहित सैकड़ो कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

● पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत का किया माली समाज ने भव्य स्वागत

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अजमेर प्रवास के दौरान आज महात्मा ज्योतिबा फूले सर्किल पर माली समाज ने भव्य स्वागत किया ।माली समाज ने ढोल धमाके के साथ माल्यार्पण कर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया । इस अवसर पर महेश चौहान पार्षद नरेंद्र तुनवाल पूनम चंद मारोठिया हनीष मारोठिया मामराज धर्मेंद्र टाक चेतन सैनी गणेश चौहान यतिश सतरावाला हेमराज सिसोदिया रमेश गढ़वाल पूनम चंद जीगर चौहान फूलचंद बालमुकुंद टाक विजय गहलोत सहित बड़ी संख्या में माली समाज के गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बाड़ी में लगा लापरवाहीयों का अंबार, सीवर लाईन कि लिए खोदी गयी सड़क हादसों को दे रही निमंत्रण

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण) जिला धौलपुर के बाड़ी उपखण्ड में सीवर लाइन के लिए खोदी गई सड़क हादसों को दे रही है।निमंत्रण धूल मिट्टी के गुबारो के साथ गड्ढों में फंस रहे है, वाहन, सुबह से शाम तक कई बाईक सवार गिरकर हो चुके है चोटिल, खुदी डली सड़क के कारण आज फिर बाल - बाल बचा हादसा, सवारियों से भरी राजस्थान रोडवेज की बस फंसी गड्ढे में, फशी गड्ढे में से नहीं निकलने के कारण कैलादेवी जाने वाली सवारियां बस से उतरकर सामान के साथ पैदल जाने को हुई मजबूर, कई महीनो से खुदी सड़क, प्रशासन के अधिकारियों पर ठेकेदार की दबगई हो रही हावी, सड़क के आस पास रहने और आवागमन करने वाले लोग धूल, मिट्टी में हो रहे सराबोर, महाराज बाग सर्किल से लेकर पीडब्ल्यूडी तक खुदी डली है! सड़क, पहले पेयजल पाइप लाइन के नाम पर सड़कों को उधेड़ दिया गया था , और अब महीनो से सीवर लाइन के नाम पर सड़क उधड़ी डली हुई है, जिम्मेदार विभागों के अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, पार्षद से लेकर सांसद प्रत्याशी तक बड़े - बड़े , जनप्रतिनिधि यहां तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के खास नेता भी जो सोशल मीडिया पर फोटो देखते रहते हैं! यहां सभी दिन भर उखड़ी हुई रोड पर आवागमन करते है, पर पता नही क्यों इन्हे यह उखड़ी हुई सड़के दिखाई नही देती है।

एसीएस होम ने ली गृह रक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

● लोकसभा चुनाव की तैयारी व विभागीय कार्यो पर की चर्चा

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 16 अप्रैल। अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनन्द कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को गृह रक्षा निदेशालय के कांफ्रेंस हॉल में विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारी तथा विभाग से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक में महानिदेशक एवं महासमादेष्टा राजेश निर्वाण, उप महा महासमादेष्टा प्रथम, निदेशक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, उप महासमादेष्टा द्वितीय, संयुक्त शासन सचिव गृह ग्रुप-7 विभाग एवं अन्य अधिकारी सम्मिलित हुए।बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह द्वारा विभागीय कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा कर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान गृह रक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों के अलग अलग बिंदुओं की जानकारी हासिल कर फीडबैक लिया। विभाग की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए निर्देश दिए।अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह ने लोकसभा चुनाव के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

पूर्व सैनिकों को मेरिट और आरक्षण के आधार पर बनाया जायेगा शिक्षक,मिलेगा बीएड का दर्जा : दिलावर

चमकता राजस्थान

जयपुर/कोटा (खलील कुरैशी)। शिक्षा विभाग ने पूर्व सैनिकों को सरकारी शिक्षक बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पूर्व सैनिकों को अब बीएड डिग्री के बराबर दर्जा दिया जाएगा। कोटा के रामगंजमंडी में एक सभा के दौरान सोमवार को शिक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्व सैनिकों को मेरिट और आरक्षण के आधार पर शिक्षक बनाया जाएगा। सैनिकों की आकस्मिक मौत होने और शहीद होने पर वीरांगना और आश्रितों को अनुकम्पा में सरकारी नौकरी दी जाएगी। रामगंजमंडी में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने एक सभा को संबोधित करते हुए ये घोषणा की।दिलावर ने कहा कि देश में राजस्थान शिक्षा विभाग पहली बार इसकी पहल कर रहा है। इसका प्रस्ताव जल्द तैयार कर शिक्षा विभाग सीएम भजनलाल शर्मा को भेजेगा। कुछ पूर्व सैनिकों ने शिक्षा विभाग में शिक्षक बनने के लिए आवेदन किया है, लेकिन शिक्षा विभाग के अधिकारी मानने को तैयार नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि पूर्व सैनिकों की शिक्षा ट्रेनिंग, शिक्षा विभाग से कम है। ऐसे में पूर्व सैनिकों को शिक्षक नहीं बनाया जा सकता हैं। इसको लेकर अब अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि रिटायर्ड सैनिकों को बीएड डिग्री के बराबर मानना पड़ेगा। ऐसे में अब पूर्व सैनिकों को मेरिट के आधार पर और आरक्षण के आधार पर सरकारी टीचर बनाया जाएगाअधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देशशिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भारतीय सैनिकों की सामान्य मौत हो जाती है या युद्ध के दौरान शहीद हो जाते है। इसके बाद परिवार के पालन पोषण में काफी समस्या आती है, लेकिन फिर भी शहीद की वीरांगनाओं को अनुकम्पा नियुक्ति देने का प्रावधान नहीं है। अब वीरांगनाओं और शहीद के आश्रितों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, इसके लिए अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

नई घोषणा नहीं, जो प्रक्रिया चल रही उसकी जानकारी दी.

» मदन दिलावर ने कहा कि इसमें नई घोषणा नहीं की है जो प्रक्रिया चल रही है, उसकी जानकारी दी गई है। जो नियम है, उनके अनुसार अधिकारियों को निर्देश दिए गए है। कई रिटायर्ड सैनिकों ने शिक्षा विभाग में आवेदन किया, लेकिन पूर्व सैनिकों की शिक्षा ट्रेनिंग को आधार मानते हुए उन्हें विभाग में मौका नहीं मिला था। जब यह बातें सामने आई तो अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि बीएड के समकक्ष रिटायर्ड फौजियों को माना जाए, उसके आधार पर वह परीक्षा दे सकेंगे और मेरिट के हिसाब से सलेक्शन होगा। अनुकंपा पर वीरांगनाओं को नौकरी के निर्देश भी दे रखे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी का वीसी के जरिये ग्राम विकास अधिकारी और मनरेगा मेट से संवाद

● मतदान प्रतिशत में वृद्धि के लिए मनरेगा मेट मोटिवेटर के रूप में करें कार्य - जिला निर्वाचन अधिकारी

चमकता राजस्थान। धौलपुर (रामदास तरुण) धौलपुर, 16 अप्रैल। मजबूत लोकतंत्र के लिए लोकसभा चुनाव में मतदान में वृद्धि करने तथा मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए मूलभूत सुविधाओ की व्यवस्थाओ हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी जिले भर के खंड विकास अधिकारी , ग्राम विकास अधिकारी, मनरेगा मेट के साथ वर्चुअल संवाद किया । इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा हमारा उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को सुगम और सहज बनाते हुए समाज के सभी वर्गों को जोड़ कर मतदान प्रतिशत में बढ़ोत्तरी करना है। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए छाया, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करना सुनिश्चित करें। साथ ही मतदान केंद्र पर लगने वाली कतार में कुछ कुर्सियां भी रखें ताकि आवशयकता होने पर बुजुर्ग, दिव्यांग, गर्भवती महिलाएं बैठ कर कुछ देर विश्राम कर सकें। प्रत्येक मतदान केंद्र पर एक कक्ष चिन्हित करें जिसका उपयोग बुजुर्ग, दिव्यांग, गर्भवती महिलाएं विश्राम के लिए कर सकें। उन्होंने सभी उपखंड अधिकारियों के माध्यम से ग्राम विकास अधिकारियों के परिचय प्रत्र जारी करने के निर्देश दिए जिससे की मतदान दिवस पर उन्हें आवागमन में परेशानी ना हो। उन्होंने खंड विकास अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मनरेगा मेट को मतदान मोटिवेटर बनाएं। सभी मनरेगा श्रमिक शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित करें। सभी समन्वित प्रयास करके मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कार्य करें। इस दौरान सभी उपखंड अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, ग्राम विकास अधिकारी, मनरेगा मेट वीसी के जरिए जुड़े।

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ निभाये लोकतंत्र को पुष्ट करने में भूमिका, करायें अधिक से अधिक मतदान

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) जिला निर्वाचन अधिकारी ने वार्ता में मौजूद पत्रकारों से कहा कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, सभी पत्रकार आमजन को मतदान में भागीदारी करा लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभायें। प्रशासन ने भी अति सक्रिय और लक्षित ढंग से स्वीप गतिविधियाँ की हैं, और यह इस बार बढ़े हुए मतदान प्रतिशत के साथ प्रतिबिंबित होना चाहिए। पत्रकार प्रशासन के आंख और कान होते हैं, निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित किसी भी अहम सूचना को संज्ञान में लाये जिससे शान्ति और निष्पक्षता के साथ निर्वाचन की शुचिता को कायम रखते हुए मतदान की प्रक्रिया संपन्न हो।

ईपिक के अलावा इन 12 दस्तावेजों से कर सकेंगे मतदान

» जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ईपिक नहीं होने की स्थिति में वीएचए एप से इलैक्ट्रॉनिक एपिक कार्ड डाउनलोड किया जा सकता है एवं ईपिक न होने पर भी निर्वाचन विभाग द्वारा प्रत्येक मतदाता को अन्य 12 प्रकार के दस्तावेजों में से किसी एक का प्रयोग कर मतदान करने की सुविधा प्रदान की है। इनमें आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, बैंक अथवा डाकघर की फोटोयुक्त पासबुक, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग द्वारा जारी दिव्यांग पहचान पत्र (यू.डी.आई.डी.), मनरेगा जॉब कार्ड, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, भारतीय पासपोर्ट, सरकार अथवा सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी पहचान पत्र, महापंजीयक जनगणना द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, सांसद एवं विधायक को जारी आई.डी. शामिल हैं। उन्होंने पत्रकारों की विभिन्न शंकाओं के बारे में उत्तरित किया। इस मौके पर जिले के विभिन्न पत्रकार उपस्थित रहे।

लोकसभा आम चुनाव- 2024

जयपुर निर्वाचन क्षेत्र में 96 एवं जयपुर ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में 97 फीसदी मतदाताओं ने घर से किया मतदान

दोनों निर्वाचन क्षेत्र में कुल 67 मतदाता निधन एवं 137 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण नहीं कर पाए मतदान

चौमूं में 98 एवं बस्सी एवं चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 96 फीसदी से ज्यादा हुआ मतदान

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 16 अप्रैल। लोकसभा चुनाव-2024 के तहत होम वोटिंग के तहत जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 96.78 फीसदी एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट में 97.81 फीसदी 85 वर्ष से अधिक आयुवर्ग एवं 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में 7 हजार 601 में कुल 7 हजार 397 मतदाताओं ने होम वोटिंग के तहत मतदान किया। वहीं, दोनों निर्वाचन क्षेत्र में कुल 67 मतदाता निधन होने के कारण एवं 137 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण होम वोटिंग के तहत मतदान नहीं कर पाए।उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत कुल 3 हजार 632 मतदाताओं में से 3 हजार 515 मतदाताओं ने अपने घर से मतातधिकार का प्रयोग किया। वहीं, 34 मतदाता निधन होने से एवं 83 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण मतदान नहीं कर पाए।उन्होंने बताया कि जयपुर लोकसभा क्षेत्र में समाहित हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 300 में 288,विद्याधरनगर विधानसभा क्षेत्र में 384 में से 373, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 609 में से 587, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 400 में से 387, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 380 में से 358, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 685 में से 672, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 480 में से 463 एवं बगरू विधानसभा क्षेत्र में 394 में से 387 मतदाताओं ने अपने घर से ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नीलिमा तक्षक ने बताया कि जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत कुल 3 हजार 969 मतदाताओं में से 3 हजार 882 मतदाताओं ने अपने घर से मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं, 33 मतदाता निधन होने से एवं 54 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण मतदान नहीं कर पाए।

उन्होंने बताया कि जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में समाहित कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में 612 में 600, विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में 288 में से 284, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 595 में से 578, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 632 में से 617, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 988 में से 961, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 199 में से 194, जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 496 में से 489 एवं बानसूर विधानसभा क्षेत्र में 159 में से 159 मतदाताओं ने अपने घर से ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं, दौसा लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 643 में से 632 मतदाताओं ने मतदान किया। बस्सी में 6 मतदाता निधन होने से एवं 5 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण मतदान नहीं कर पाए। चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 257 में से 247 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चाकसू में 6 मतदाता निधन एवं 6 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण मतदान नहीं कर पाए।वहीं, सीकर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 526 में से 508 होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं ने अपने घर से ही मताधिकार करने की सुविधा का लाभ उठाया। चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 12 मतदाता निधन एवं 6 मतदाता घर पर अनुपस्थित होने के कारण मतदान नहीं कर पाए।

संक्षिप्त समाचार

सिविल न्यायाधीश पूजा धनिया ने किया विधिवत कार्यग्रहण

चमकता राजस्थान। कोटपूतली । न्यायालय में विगत दो रिक्त चल रहे सिविल न्यायाधीश पद पर बुधवार को पूजा धनिया ने पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर एमजेएम सिमरन कौर ने उन्हें कार्यभार ग्रहण करवाया। अभिभाषक संघ अध्यक्ष एड. दयाराम गुर्जर के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने सिविल जज पूजा धनिया का गुलदस्ता भेंटकर
स्वागत किया।

- **ये रहे मौजूद**

इस दौरान एड. सुशील कुमार यादव, एड. हेमंत शर्मा, एड. ज्योति शर्मा, एड. जितेंद्र रावत, एड. अमरसिंह चौधरी, एड. रामकिशन शर्मा,एड. सत्यवीर पायला, कृष्ण कुमार, महेश सराधना, नवीन यादव, अंकित आर्य समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता व न्यायिक कर्मचारी मौजूद रहे।

षड्यंत्रकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करी गयी तो कांग्रेस पार्टी ईंट से ईंट बजा देगी : जुली

चमकता राजस्थान। अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कांग्रेस की स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी के रोड शो के दौरान भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के इशारे पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता जुबेर खान के साथ पुलिस प्रशासन द्वारा की गई बदसलूकी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी ईट से ईट बजा देगी। मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर जूली बोले आचार संहिता हटते ही विधानसभा में इस षड्यंत्रपूर्वक रचे गए मुद्दे को उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक रोड शो से बौखलाए भाजपा के चुनाव बिगाड़ने की राजनीति का - कांग्रेस कार्यकर्ता आगामी 19 अप्रैल को एकजुटता के साथ मिलकर जवाब देंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जुबेर खान ने कहा कि सोशल मीडिया और मीडिया पर यह अनर्गल बात फैलाई जा रही है कि प्रियंका गांधी से उन्हें मिलने नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि यह तथ्य भ्रामक है, बीजेपी के दबाव में आकर कुछ लोग ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता मेरे साथ हुए कृत्य को देखते रहे यह भी पूरा झूठ है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी की लोकप्रियता के सामने भाजपा पार्टी किस तरह के हथकंडे अपना रही है। इस दौरान कांग्रेस पार्टी का डेलिगेशन जिला पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचा तथा इस पूरे मामले की जानकारी के बारे में ज्ञापन दिया गया। एसपी ने कहा कि पूरे मामले को लेकर एसआईटी का गठन कर दिया गया है जो जल्दी अपनी रिपोर्ट देगी। बैठक में जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा, रामगढ़ विधायक जुबेर खान, दीपचंद खेरिया, मांगीलाल मीणा, साफिया खान, इमरान खान, अजीत यादव, शेर मोहम्मद, नगर प्रधान आरिफ खान, हर्षवर्धन सिंह खैरिया सहित कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का जयपुर दौरा:

फोर्टी ने जयपुर में जीएसटी ट्रिब्यूनल ब्रांच खोलने की मांग के साथ विभिन्न मांगों का रखा प्रस्ताव

- **माइनिंग में खरीद और बिक्री के जीएसटी इनपुट मिसमैच की समस्या का हो समाधान : फोर्टी**

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जयपुर दौरे पर रहीं। यहां उन्होंने सबसे पहले बिड़ला ऑडिटोरियम में राजस्थान सीए फाउंडेशन के कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एंड इंडस्ट्री (फोर्टी) के संरक्षक सुरजाराम मील और यूथ विंग के प्रेसिडेंट सुनील अग्रवाल के साथ फोर्टी के पदाधिकारियों ने निर्मला सीतारमण का स्वागत किया। इस मौके पर फोर्टी कोषाध्यक्ष नरेश गोयल, उपाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और नीलम मित्तल, एक्सपो चेयरमैन प्रशांत शर्मा, महाप्रबंधक दिव्या भटनागर शामिल थे। इसके बाद होटल क्लार्क्स आमेर में वित्त मंत्री सीतारमण ने उद्योग और व्यापार के प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। इसमें सुरजाराम मील ने जयपुर में जीएसटी ट्रिब्यूनल की मांग रखी ताकि जीएसटी संबंधित विवादों का निस्तारण प्रदेश में ही हो सके। यूथ विंग प्रेसिडेंट सुनील अग्रवाल ने माइनिंग इंडस्ट्रीज की जीएसटी से संबंधित समस्या से वित्त मंत्री को अवगत कराया। अग्रवाल ने कहा कि माइनिंग इंडस्ट्री में स्टोन क्रेशर पर बिक्री बिल पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है लेकिन और इसी ट्रेड में रॉ मैटेरियल खरीद पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता है। इससे व्यापारी का इनपुट कैपिटल ब्लॉक हो जाता है। इसलिए या तो इनपुट रिफंड तुरंत किया जाए या आउटपुट बढ़ाया जाए। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने फोर्टी के दोनों सुझावों पर गंभीरता से सुना और लोकसभा चुनाव के बाद इस पर प्राथमिकता से विचार करने का आश्वासन दिया।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नागौर लोकसभा प्रत्याशी डॉ. ज्योति मिर्धा के समर्थन में परबतसर में की जनसभा

- **भारत के जनकल्याण एवं विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करने के लिए भाजपा प्रत्याशी को जिताएं : दिया कुमारी**
- **भाजपा ही है जो किसान, गरीब, महिला और युवा, बेरोजगारों के सपनों को साकार कर सकती हैं**

बढ़ता राजस्थान। जयपुर/ नागौर(खलील कुरैशी)। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को नागौर संसदीय क्षेत्र से भाजपा की प्रत्याशी डॉ. ज्योति मिर्धा के लिए नारायणपुरा चौराहा, परबतसर में जन सम्पर्क किया और जनसभा को सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प को पूरा करने के लिए भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक मात्र भाजपा ही है जो किसान, गरीब, महिला और युवा के सपनों को साकार कर सकती हैं। सभा में किसान आयोग अध्यक्ष सी. आर चौधरी, जिलाध्यक्ष गजेंद्र सिंह, मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरु, परबतसर पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, डेगाना पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सुनीता रांदड़, प्रदेश मंत्री स्टेफी चौहान, पंचायत समिति सदस्य विजय सिंह सहित नागौर भाजपा के पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सोयल की सेवा निवृत्ति समारोह पर प्रतिभावान छात्रों एवं नवीन राजकीय सेवा में चयनितों का किया सम्मान

प्रतिभावान युवाओं का हौसला अफजाई से उनमें बढ़ता है आत्मविश्वास: शंकर लाल सोयल

चमकता राजस्थान

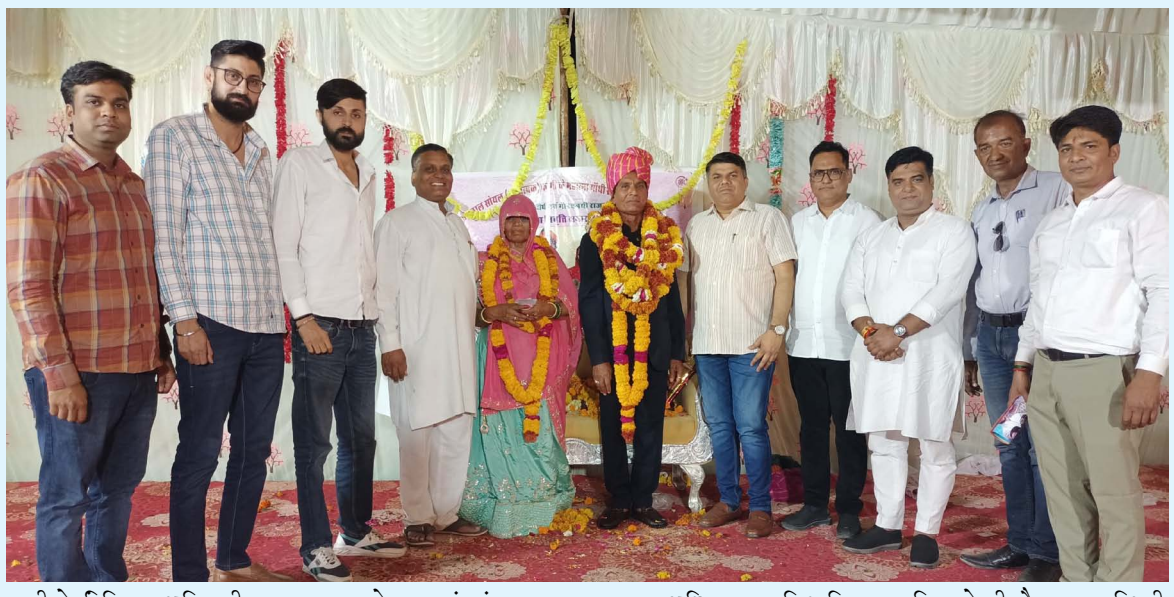

जयपुर (खलील कुरैशी) फागी के शंकर लाल सोयल महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय फागी से अध्यापक पद से 36 वर्ष सुधीर्घ एवं गौरवमयी राजकीय सेवानिवृत होने के अवसर पर छापरिया वाले देव जी के मंदिर में हजारों गणमान्य लोगों की मौजूदगी में सैकड़ों नवीन राजकीय सेवा में चयनित एवं विद्यालय प्रतिभावान बच्चों का सम्मान मुख्य अतिथि भुवनेश शर्मा को चेयरमैन बार काउंसिल आफ राजस्थान & एडवोकेट जनरल राजस्थान हाई कोर्ट राजस्थान सरकार और फागी नगर पालिका चेयरमेन ओम प्रकाश शर्मा और सीबीईओ कैलाश चंद्र चौधरी ,एडिशनल सीबीइओ भगवान सहाय, राम सहाय मीणा, राजेश पुरी,महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय फागी प्रिंसिपल योगिता शर्मा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी विद्यालय फागी के प्रिंसिपल अमित मीणा, राजकीय सीनियर सेकंडरी विद्यालय पचाला प्रिंसिपल घनश्याम प्रधान , दी फैमिली कोर्ट बार एसोसिएशन राजस्थान हाई कोर्ट जयपुर के उपाध्यक्ष राजेंद्र सोयल , एडवोकेट जितेंद्र कुमार सोयल एवं शंकर लाल सोयल अध्यापक द्वारा नवीन राजकीय सेवा में चयनित एवं विद्यालय प्रतिभावान बच्चों को प्रशंसा पत्र और गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर अधिकारी गण, न्यायिक गण, अधिवक्तागण,शिक्षाविद, मानव सेवा समिति अध्यक्ष परमानंद बसवाल , पूर्व आईएएस रामावतार सांवरिया ,शिक्षक संगठन, क्षेत्र के सभी सामाजिक, व्यापारिक, धार्मिक,राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारीगण वरिष्ठजनो की गौरवमय उपस्थिती रही समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं अतिथिगण एवं वरिष्ठ जन व गणमान्य लोगों सूरज भारती महाराज ,रामेश्वर प्रसाद सोयल, पूर्व कृषि अधिकारी कालूराम पंवार , पशुधन निरीक्षक गायत्री देवी, लक्ष्मी नारायण तवंर, लक्ष्मी नारायण सोनी, महावीर प्रधान, मालचंद परेवा मुख्य मैनेजर एसबीआई, गुमानमल १२ , रेलवे मुख्य इंजीनियर रामफूल चंदेल, डॉक्टर राजेंद्र चंदेल, शिक्षक रामबाबू दाधीच, आजाद विचार क्रांति मंच महासचिव हनुमान चौधरी उपाध्यक्ष अवधेश जोशी, सुरेन्द्र प्रधान,कोषाध्यक्ष डॉ रामप्रसाद मीणा, दी बार एसोसिएशन फागी के अध्यक्ष बुद्धि प्रकाश शर्मा एवं पूर्व अध्यक्ष सुनील जोशी , बाबा अमरनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेन्द्र धाबाई, रामदेव दायमा, वीरेंद्र जैन, रंगलाल गुर्जर, केशव चौहान, जगदीश गुर्जर, सुरेन्द्र गुर्जर,रामानंद गुर्जर, मनोज शर्मा, कुलदीप जोशी द्वारा सेवानिवृत शिक्षक शंकर लाल सोयल का साफा ,माला, मोमेंटो, गुलदस्ते एवं गिफ्ट देकर सम्मान किया गया इसके बाद सभी ने सामूहिक भोज किया।

राजनीति में महिला प्रतिनिधित्व की बात बेमानी, आधी आबादी को अब तक नहीं मिला पूरा हक

सूबे की सियासत में कब मिलेगा महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व?

खलील कुरैशी
संपादक दैनिक चमकता राजस्थान

2024 के लोकसभा चुनावों का ऐलान हो चुका है। राजस्थान में चुनाव दो चरणों 19 व 26 अप्रैल 2024 को सम्पन्न होने हैं। दोनों की प्रमुख पार्टियों भाजपा व कांग्रेस ने सभी 25 लोकसभा सीटों पर अपने-अपने प्रत्याशी तय कर दिए हैं। इस बार भाजपा ने 5 सीटों पर तो कांग्रेस ने 3 सीटों पर महिला प्रत्याशियों को टिकट दिए हैं। भाजपा और कांग्रेस ने महिला वोट बैंक के चलते खूब महिलाओं को सियासत में आरक्षण देने के मुद्दे को उछाला। लेकिन बात जब महिलाओं को टिकट देने की आई है तो तमाम दावे और वादे धराशायी हो गए। हालांकि दोनों सदनों में महिला आरक्षण विधेयक पारित हो चुका है और 2029 लोकसभा चुनाव से यह लागू भी हो जाएगा, लेकिन हकीकत में अगर सियासी दल महिलाओं को प्रतिनिधत्व देने को लेक र गंभीर होते तो 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने स्तर पर राजस्थान में महिलाओं को ज्यादा टिकटें देकर नजीर पेश कर सकते थे। लेकिन लगता है कि एक बार फिर राजस्थान महिलाओं को सियासी प्रतिनिधित्व देने की दिशा में पिछड़ गया है।

राजस्थान से लोकसभा चुनावों में पहुंचीं महिलाओं की भागीदारी पर नजर डालें तो वर्ष 1952 से 2019 तक 201 महिलाएं चुनावी मैदान में उतरीं। इनमें से 19 महिलाएं ही लोकसभा में पहुंची हैं। वसुंधरा राजे अब तक इनमें से सबसे ज्यादा पांच बार लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास चार बार और जसकौर मीणा, निर्मला कुमारी व उषा मीणा दो-दो बार सांसद चुनी गईं।

राज्य निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1952 के लोकसभा चुनाव में 2 महिला प्रत्याशी चुनाव में उतरीं, लेकिन जीत एक को भी नहीं मिली। शारदा बाई ने भरतपुर-सवाईमाधोपुर और रानी देवी भार्गव ने सिरोही-पाली सीट से नामांकन दाखिल किया लेकिन दोनों महिलाओं की जमानत जब्त हो गई। 1957 के चुनाव में एक भी महिला चुनाव मैदान में नहीं उतरीं।

वर्ष 1962 में हुए तीसरे आम चुनाव में छह महिलाएं मैदान में उतरीं और जयपुर राजपरिवार की गायत्री देवी ने लोकसभा में पहली बार राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने भी एक महिला प्रत्याशी शारदा देवी, जो कि कांग्रेस से थीं, को डेढ़ लाख मतों से पराजित कर यह गौरव प्राप्त किया था। विदित हो कि जयपुर लोकसभा सीट से लड़ते हुए कुल 2 लाख 46 हजार 516 मतों में से एक लाख 92 हजार नौ सौ नौ मत प्राप्त कर उन्होंने एक रिकॉर्ड कायम किया था, बाद में उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। राजस्थान की पहली महिला सांसद पूर्व राजमाता गायत्री देवी, स्वतंत्र पार्टी से थीं। विदित हो कि स्वतंत्र पार्टी राजा-महाराजाओं की पार्टी मानी जाती थी और गायत्री देवी एक बार नहीं बल्कि लगातार तीन बार 1962, 1967 व 1971 में लोकसभा में जयपुर का प्रतिनिधित्व किया। 1971 में 4 महिलाओं ने चुनाव लड़ा। दो जीत गईं और दो हार गईं। राजस्थान से पहली बार 2 महिलाएं सांसद पहुंचीं। गायत्री देवी के साथ जोधपुर सीट के लिए निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पूर्व राजमाता कृष्णा कुमारी ने राजस्थान से दूसरी महिला सदस्य के रूप में लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया। 1980 के चुनाव में पहली बार कांग्रेस ने निर्मला कुमारी को टिकट दिया और वे चित्तोड़गढ़ से सांसद चुनी गईं। इसी चुनाव में पहली बार जनजाति क्षेत्रों के लिए आरक्षित दो सीटों पर भी महिलाओं ने चुनाव लड़ा। हालांकि एक की जमानत जब्त हो गई और दूसरी पांचवें स्थान पर रहीं। 1984 के लोकसभा चुनाव में उदयपुर लोकसभा से कांग्रेस की इंदुबाला सुखाड़िया और कांग्रेस की निर्मला कुमारी ने चित्तोड़गढ़ से जीत हासिल की।

1989 में भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी वसुंधरा राजे ने झालावाड़ सीट से जीत हासिल कर एक मात्र महिला के रूप में लोकसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। इस चुनाव में कांग्रेस ने तीन महिलाओं को टिकट दिए। एक टिकट जनता दल ने भी दिया। कांग्रेस की तीनों प्रत्याशी चुनाव हार गईं। 1991 में 14 महिलाएं लोकसभा में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुनाव मैदान में उतरीं लेकिन केवल 4 महिला भाजपा की महेंद्र कुमारी अलवर से, कृष्णेंद्र कौर भरतपुर से व वसुंधरा राजे झालावाड़ से तथा कांग्रेस की डॉक्टर गिरिजा व्यास उदयपुर से चुनी गईं।

चुनाव में औसतन 5 से 6 महिलाएं चुनाव मैदान में उतर रही थीं लेकिन 1991 के बाद इसमें तेजी आई और चुनाव मैदान में उतरने वाली महिलाओं की संख्या 20 से 25 तक हो गईं। आंकड़ों के अनुसार 1996 के लोकसभा चुनावों में राजस्थान से लोकसभा में प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई और 25 महिलाओं ने नामांकन भरा। इनमें केवल 4 महिला भरतपुर से भाजपा की महारानी दिव्यासिंह, सवाईमाधोपुर से कांग्रेस की उषा मीणा, झालावाड़ से भाजपा की वसुंधरा राजे और उदयपुर से कांग्रेस की गिरिजा व्यास ने जीत हासिल की। 1998 में 20 महिला प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतरीं। इनमें से 3 महिलाएं कांग्रेस की उषा मीणा सवाईमाधोपुर से, प्रभा ठाकुर अजमेर से और भाजपा की वसुंधरा राजे झालावाड़ से जीतीं। वर्ष 1999 में 15 महिलाएं चुनाव में खड़ी हुईं पर 3 महिलाएं सांसद चुनी गईं। इनमें कांग्रेस से गिरिजा व्यास व भाजपा से वसुंधरा राजे, जसकौर मीणा चुनी गईं। इस वर्ष भाजपा ने 2 जबकि कांग्रेस ने 4 महिलाओं गिरिजा व्यास-उदयपुर, प्रभा ठाकुर-अजमेर, महेंद्र कुमारी-अलवर व उषा मीणा-सवाईमाधोपुर से टिकट दिया था। वर्ष 2004 के लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 17 महिलाएं खड़ी हुईं। पर 2 महिलाएं सांसद चुनी गईं। इस वर्ष भाजपा ने 4 महिला प्रत्याशियों संतोष अहलावत-झुंझुनूं, जसकौर मीणा-सवाई माधोपुर, किरण माहेश्वरी -उदयपुर व बी. सुशीला-अजमेर को टिकट दिया। इनमें किरण माहेश्वरी व बी. सुशीला की जीत हुईं। कांग्रेस ने एकमात्र महिला गिरिजा व्यास को उदयपुर से टिकट दिया था लेकिन उनकी हार हुईं।

वर्ष 2009 में राजस्थान से सबसे ज्यादा 31 महिला प्रत्याशियों ने भाग्य आजमाया। इस वर्ष लोकसभा के लिए राजस्थान से 3 महिला सांसद चुनी गईं। ये तीनों महिला सांसद कांग्रेस पार्टी से थीं। कांग्रेस ने 5 महिलाओं ज्योति मिर्धा-नागौर, चन्द्रेश कुमारी-जोधपुर, संध्या चौधरी-जालौर, गिरिजा व्यास-चित्तोड़गढ़ व उर्मिला जैन भाया-झालावाड़-बारां से टिकट दिया। इनमें से 3 महिलाएं ज्योति मिर्धा, चन्द्रेश कुमारी व गिरिजा व्यास जीतकर सांसद चुनी गईं। इस वर्ष भाजपा ने 3 महिलाओं डॉ. किरण यादव-अलवर, किरण माहेश्वरी -अजमेर व बिंदु चौधरी-नागौर से टिकट दिया। पर तीनों की ही हार हुईं। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में राजस्थान से 27 महिला प्रत्याशियों में से एक मात्र महिला सांसद बीजेपी की संतोष अहलावत चुनी गई थीं। इस साल कांग्रेस ने प्रदेश की 25 में से 6 सीटों पर महिलाओं को टिकट दिया। इनमें राजबाला ओला-झुंझुनूं, डॉ. ज्योति मिर्धा-नागौर, मुन्नी देवी गोदारा-पाली, चन्द्रेश कुमारी-जोधपुर, रेशम मालवीया-बांसवाड़ा व गिरिजा व्यास- चित्तोड़गढ़ से महिला प्रत्याशी थीं जबकि बीजेपी ने सिर्फ एक महिला उम्मीदवार संतोष अहलावत को टिकट दिया और उनकी जीत हुई।

वर्ष 2019 में राजस्थान से 21 महिला प्रत्याशियों ने दावेदारी ठोकी पर 3 महिलाएं सांसद चुनी गईं। इस साल भारतीय जनता पार्टी ने 25 में से 3 महिला सांसदों को टिकट दिया था और तीनों ही जीत कर संसद पहुंचीं। इनमें राजसमंद से दीया कुमारी, दौसा से जसकौर मीणा और भरतपुर से रंजीता कोली हैं। जबकि कांग्रेस ने 4 महिलाओं कृष्णा पूनिया-जयपुर ग्रामीण, ज्योति खंडेलवाल-जयपुर शहर, सविता मीणा-दौसा व ज्योति मिर्धा-नागौर को टिकट दिया था।

वर्ष 2024 के लिए भाजपा व कांग्रेस ने सभी 25 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। लोकसभा चुनाव के रण में भाजपा ने 25 में से 5 सीटों पर ज्योति मिर्धा-नागौर, मंजू शर्मा जयपुर शहर, महिमा सिंह-राजसमंद, प्रियंका बैलान-गंगानगर और इंदु देवी जाटव-करौली-धौलपुर को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए 3 महिला उम्मीदवारों संजना जाटव-भरतपुर, उर्मिला जैन भाया-झालावाड़-बारां, संगीता बेनीवाल-पाली को मैदान में उतारा है। खास बात यह है कि जिन आठ सीटों पर भाजपा या कांग्रेस ने महिला उम्मीदवार उतारे हैं, उनमें एक भी सीट पर महिलाएं आमने-सामने नहीं हैं। इन आठों सीट पर महिलाओं का मुकाबला दूसरी पार्टी के पुरुष प्रत्याशी से होगा।

राजस्थान में कांग्रेस और भाजपा दो ही प्रमुख दल हैं। और दोनों दलों का महिला उम्मीदवारी के संदर्भ में इतिहास बहुत उत्साहजनक नहीं है। कांग्रेस हालांकि पहले लोकसभा चुनाव से ही मैदान में रही है लेकिन राजस्थान में उसने 1980 में पहली बार महिला प्रत्याशी निर्मला कुमारी को टिकट दिया। वहीं भाजपा का तो जन्म ही 1980 में हुआ और इसने 1984 में ही दो महिलाओं को टिकट दे दिया था। हालांकि दोनों ही पार्टियां हर लोकसभा चुनाव में 25 सीटों पर सिर्फ दो या तीन-तीन महिलाओं को ही टिकट देते आए हैं। अब तक भाजपा ने 27 महिला प्रत्याशियों को और कांग्रेस ने 34 टिकट दिए हैं। ऐसे में हर चुनाव में महज गिनती की सांसद चुनकर लोकसभा पहुंचीं।

बहरहाल, नारी सशक्तिकरण के दावे भले ही किए जा रहे हैं, लेकिन चुनावी मैदान में महिलाओं को पूरा हक नहीं मिला है। महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देने की बात कहकर तालियां बटोरने वाले ये राजनीतिक दल टिकट बांटने के समय अपनी बात पर कायम नहीं रह पाते। राजनीति में पुरुषों का दंभ और दादागिरी इतनी है कि वे महिलाओं के राजनीति में आने का लगातार विरोध करते रहे हैं। यही कारण है सही मायने में राजनीति में महिलाओं को मौका नहीं मिल पाता।

मनोज तिवारी के खिलाफ टिकट मिलने पर कन्हैया ने दी प्रतिक्रिया

व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं होता विचार और मुद्दा महत्वपूर्ण होता है : कन्हैया कुमार

नयी दिल्ली /एजेंसी

दिल्ली में लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज होती जा रही हैं। कांग्रेस की तरफ से रविवार को लोकसभा उम्मीदवारों की एक और सूची जारी की गई। उत्तर पूर्वी दिल्ली से कन्हैया कुमार को टिकट दिया गया है। उन्हें बीजेपी प्रत्याशी मनोज तिवारी के खिलाफ उतारा गया है। टिकट मिलने के बाद कन्हैया कुमार की प्रतिक्रिया सामने आई है। जब उनसे पूछा गया कि मनोज तिवारी 2 बार से सांसद हैं और आप उन्हें कितनी चुनौती मानते हैं? इसपर उन्होंने कहा कि कोई न कोई सामने तो होगा ही, व्यक्ति महत्वपूर्ण नहीं होता विचार और मुद्दा महत्वपूर्ण होता है। कन्हैया कुमार ने आगे कहा, 'मनोज तिवारी 10 साल से सांसद हैं तो वो उत्तर पूर्वी दिल्ली की जनता को बताए कि उन्होंने क्या किया है। फिर जनता तय करेगी, अगर वो जो कह रहे हैं वो सच है तो जनता उन्हें अपना समर्थन और आर्शीवाद देगी। दिल्ली में बीजेपी काम नहीं करती है। सिर्फ और सिर्फ इंडिया ब्लॉक की पार्टियों को बिना वजह परेशान करती है। कांग्रेस प्रत्याशी ने कहा, 'दिल्ली के मुख्यमंत्री को बिना वजह जेल में डाल दिया गया है। चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है, जो दिल्ली का अपमान है। दिल्ली के आम लोगों का अपमान है। दिल्ली में जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, उसका मजाक उड़ाया गया है। इन चीजों पर जनता सवाल जरूर पूछेगी, जिसका जवाब सांसद (मनोज तिवारी) को देना पड़ेगा।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बयान पर भी कन्हैया कुमार ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि ये बात तो उनके (भाजपा) ऊपर भी लागू होती है। बहुत सारे लोग थे जो कांग्रेस पार्टी में हार गए थे और अब भाजपा में उनका रेड कारपेट बिछाकर स्वागत किया जा रहा है। वे (गिरीराज सिंह) किस मुंह से ये बात कह रहे हैं। वे ऐसे ही भटकाने वाले बयान देंगे, इधर-उधर की बातें करेंगे लेकिन हम रोजी-रोटी, कपड़ा-मकान पर टिके रहेंगे।

असम के एक ही परिवार के 350 वोटर्स डालेंगे वोट

परिवार में हैं कुल 1200 सदस्य

सोनितपुर/एजेंसी

लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के लिए अब सिर्फ 3 दिन का समय बचा है। 19 अप्रैल को 102 सीटों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसी में असम का भी एक परिवार है, जो वोट डालेंगे। इस परिवार की खासियत है कि इसमें कुल 1200 लोग हैं और 350 वोटर्स हैं। यह परिवार असम के सोनितपुर जिले के नेपाली पाम गांव के रहने वाले रॉन बहादुर थापा का है। रॉन बहादुर थापा अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनका परिवार काफी बड़ा है। असम से सोनितपुर जिले के रहने वाले रॉन बहादुर थापा साल 1964 में अपने पिता के साथ नेपाल से यहां आकर बस गए थे। उन्होंने पांच शादियां की थी। उनकी 5 पत्नियों के 12 बेटे और 9 बेटियां हुईं।इसके बाद इनका परिवार बड़ा और उनके बेटे-बेटियों के 150 से ज्यादा बच्चे हैं। अगर परिवार के सभी सदस्यों की बात करें तो फैमिली में कुल 1200 से ज्यादा लोग हैं। जिसमें लगभग 350 लोग ऐसे हैं, जो वोट डालने के पात्र हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उनको मिलाकर 12 भाई और 9 बहनं हैं।12 भाइयों के कुल 56 बच्चे हैं, जबकि बेटियों के कितने बच्चे इस बार वोट डालेंगे, इसकी जानकारी तिल बहादुर को नहीं है। तिल बहादुर थापा ने बताया कि उनको इस बात का अफसोस है कि उनके परिवार को अभी तक राज्य और केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा राह है।

ईभीएम पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

बैलट पेपर पर लौटने से भी कई नुकसान : सुप्रीम कोर्ट

- **अगली सुनवाई गुरूवार 18 अप्रैल को**

नयी दिल्ली/एजेंसी। चुनाव में ईभीएम की जगह मतपत्रों के उपयोग को लेकर जारी चर्चाओं के बीच मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बैलट पेपर पर लौटने से भी कई नुकसान हैं।सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना ने ईभीएम को हटाने की याचिका के पक्ष में अपनी बात रख रहे प्रशांत भूषण से पूछा कि अब आप क्या चाहते हैं? प्रशांत भूषण ने कहा कि पहला बैलेट पेपर पर वापस जाएं। दूसरा फिलहाल 100 फीसदी भीभीपैट मिलान हो। अदालत ने कहा कि देश में 98 करोड़ वोटर हैं। आप चाहते हैं कि 60 करोड़ वोटों की गिनती हो। प्रशांत भूषण ने कहा कि बैलेट से वोट देने का अधिकार दिया जा सकता है या वीवीपैट मे जो पर्ची है उसे मतदाताओं को दिया जाए। प्रशांत भूषण ने वीवीपैट की पर्ची मतदाताओं को देने की मांग के साथ कहा कि मतदाता उसे एक बैलेट बॉक्स मे डाल दे। अभी जो वीवीपैट है उसका बॉक्स ट्रांसपेरेंट नहीं है। सिर्फ सात सेकेंड के लिए पर्ची वोटर को दिखाई देती है। वकील संजय हेगड़े ने मांग की कि ईवीएम पर पड़े वोटों का मिलान वीवीपीएटी पर्चियों से किया जाना चाहिए। जस्टिस खन्नाः क्या 60 करोड़ वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती होनी चाहिए? वकील गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि चुनाव आयोग का कहना है कि सभी वीवीपीएटी पर्चियों की गिनती में 12 दिन लगेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईभीएम सही काम कर रहीं है या नहीं ये जानने के लिए हमें डेटा चाहिए होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से डेटा मांगा है। कुछ मिसमैच 'मन एरर की वजह से है। अगली सुनवाई गुरूवार 18 अप्रैल को होगी

जौनपुर में बसपा ने खेला बड़ा दांव

धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला को बनाया प्रत्याशी

मुश्किल में फंसी बीजेपी और सपा

जौनपुर/एजेंसी

उत्तर प्रदेश में बीएसपी ने जौनपुर लोकसभा सीट से अपने प्रत्याशी के नाम का ऐलान सोमवार को कर दिया है। पार्टी ने इस सीट से बाहुबली और पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला धनंजय सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। बीएसपी ने सोमवार को उनके नाम का ऐलान किया है। बीएसपी के ऐलान के साथ ही जौनपुर में सियासी जंग की तस्वीर लगभग साफ हो गई है।जौनपुर में बसपा ने खेला बड़ा दांव, धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला को बनाया प्रत्याशी, बसपा से चुनाव लड़ेंगी धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला, टिकट मिलने के बाद श्रीकला ने एक्स संदेश पर लिखा जय भीम, जय जौनपुर, श्रीकला को टिकट मिलने के बाद जौनपुर का चुनावी मुकाबला हुआ दिलचस्प, सपा ने बाबू सिंह कुशवाहा को बनाया है उम्मीदवार, बीजेपी से कृपाशंकर सिंह लड़ रहे हैं चुनाव।

अग्निवीर युवाओं का अपमान, सरकार बनते ही रद्द करेंगे अग्निपथ योजना : राहुल गांधी

शहीदों के साथ दो तरह का व्यवहार नहीं किया जा सकता : राहुल गांधी

नयी दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सेना में भर्ती की अल्पकालिक 'अग्निपथ' योजना को सेना और देश की रक्षा का सपना देखने वाले युवाओं का अपमान करार देते हुए मंगलवार को कहा कि केंद्र में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') की सरकार बनने के साथ ही इस योजना को तत्काल निरस्त कर पुरानी भर्ती प्रक्रिया बहाल की जाएगी। कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी इस योजना को खत्म करने का वादा किया है।

शहीदों के साथ दो तरह का व्यवहार नहीं

» राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'अग्निपथ योजना भारतीय सेना और देश की रक्षा करने का सपना देखने वाले बहादुर युवाओं का अपमान है।' उन्होंने दावा किया कि यह भारतीय सेना की नहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यालय में बनी योजना है जिसे सेना पर थोप दिया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, 'शहीदों के साथ दो तरह का व्यवहार नहीं किया जा सकता, हर व्यक्ति जो देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देता है उसे शहीद का दर्जा मिलना चाहिए।'

पुरानी स्थायी भर्ती प्रक्रिया फिर से लागू

» उन्होंने यह भी कहा, 'विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सरकार बनते ही हम इस योजना को तुरंत रद्द कर पुरानी स्थायी भर्ती प्रक्रिया फिर से लागू करेंगे।'केंद्र द्वारा 14 जून, 2022 को घोषित अग्निपथ योजना साढ़े 17 से 21 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं को केवल चार वर्ष के लिए सेना में भर्ती करने के लिए लायी गई है। चार वर्ष के बाद इनमें से 25 प्रतिशत को अगले 15 साल के लिए सेना में बरकरार रखने का प्रावधान है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सीए फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन और व्यवसायिक संवाद को किया संबोधित

2014 से पहले आर्थिक उन्नती को लेकर आशाहीन था देश, पिछले दस सालों में पीएम मोदी के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाः निर्मला सीतारमण

चमकता राजस्थान

जयपुर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन और होटल क्लार्क में आयोजित व्यवसायिक संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि देश 2014 से पहले आर्थिक उन्नती को लेकर आशाहीन था। पिछले दस सालों में देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा है, और निराशा दूर हुई है। देश के हर वर्ग में सकारात्मकता का भाव है। अंतिम तिमाही में अर्थव्यवस्था में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि अपने आप में रिकॉर्ड है। यह बताता है कि भारत किस गति से ग्रोथ करना चाहता है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी आने के बाद हर महीने चार्टर्ड अकाउंटेंट और प्रोफेशनल्स को इंतजार रहता है कि इस महीने जीएसटी का कलेक्शन कितना रहा। उन्होंने कहा कि अभी भाजपा ने जो संकल्प पत्र जारी किया है, उसमें भी हमने रिफॉर्म्स और ट्रांसफॉर्म की बात कही है। आपने देखा होगा वित्त वर्ष 2023-24 की तीनों तिमाही में प्रति तिमाही वृद्धि दर 8 प्रतिशत या उससे ज्यादा रही है। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही तो वहीं चौथी तिमाही में भी इसी लेवल की वृद्धि दर की हम अपेक्षा कर रहे हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2023-24 में औसत वृद्धि दर टिकाऊ आर्थिक वृद्धि दर है। हम अपने ऊपर आत्मविश्वास बनाए रखते हुए आगे बढ़ सकते हैं। जैसे पूरी दुनिया में पिछले तीन साल से लगातार हम सबसे तेज वृद्धि दर वाली अर्थव्यवस्था रहे हैं उसी तरह आने वाले सालों में भी रहेंगे।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आर्थिक नीति, व्यापक आर्थिक स्थिरता, स्थिर सरकार, स्थिर टैक्स नीति और सरकार के टेंडर तथा खरीदारी आदि पारदर्शी तरीके से होने की वजह से आज भारत की अर्थव्यवस्था की विदेशों में भी बहुत साख है। आज भारत में निवेशक आ रहे हैं और भविष्य की उम्मीदों के साथ निवेश कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

सुधांश पंत ने सहकार भवन में अलग-अलग कार्यालयों का किया निरीक्षण

चमकता राजस्थान। जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को सहकार भवन में अलग-अलग कार्यालयों का निरीक्षण किया। पंत ने रजिस्ट्रार कार्यालय, सहकारी संस्थाओं के कार्यालय का निरीक्षण किया। अनुजाति- जनजाति निगम में पंत को चौंकाने वाली स्थितियां मिलीं। उन्होंने निगम के संयुक्त निदेशक को कंप्यूटर पर एसएसओ आइडी लॉगिन करने के लिए कहा। अधिकारी कई प्रयास के बाद भी लॉगिन नहीं कर सके। इसी तरह से रजिस्ट्रार कार्यालय, कॉन्फेड, तिलम संघ व अन्य सहकारी संस्थाओं के कार्यालयों का निरीक्षण किया। अधिकारियों के कक्षों में जब पत्रावलियों को देखा तो सामने आया कि पत्रावलियां 10 घंटे से ज्यादा समय से पेंडिंग थीं। पंत ने मंगलवार को सहकारिता विभाग के प्रमुख सचिव को सहकार भवन के कार्यालयों में जहां-जहां अव्यवस्थाएं मिलीं, उनसे संबधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। पंत ने कहा कि अफसरों को अपनी कार्यशैली को बदलना ही होगा।

भगवा झण्डे उतारने के खिलाफ बजरंगदल का प्रदर्शन

चमकता राजस्थान। जयपुर। रामनवमी एवं नवरात्रि के पावन अवसर पर लगाए हुए भगवा ध्वज को उतरवाने वालो के खिलाफ पुतला दहन कार्यक्रम हेतू आज मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद-बजरंगदल विद्याधर जिले के कार्यकर्ताओ द्वारा प्रदर्शन किया गया।

जिला मन्त्री आशीष भारद्वाज ने बताया की कांग्रेस कमेटी द्वारा विश्व हिन्दू परिषद् की झूठी शिकायत को लेकर नगर निगम ने रामनवमी के पावन पर्व से पुर्व ही शहर में लगे सभी भगवा ध्वजो को उतार दिया गया। जिससे हिन्दू समाज की भावनाएं आहत हुई है। संगठन को मजबूर होकर जन प्रदर्शन करना पड़ा। उन्होंने यह भी बताया की कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती हैं और अब हिंदू जाग चुका हैं यह तुष्टिकरण नहीं चलने देंगे ।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा आज बजरंगदल महानगर संयोजक सुमित खंडेलवाल के नेतृत्व मे बजरंगदल के कार्यकर्ताओं ने छोटी चौपड़ रोजगारेश्वर महादेव मंदिर पर एकत्रित होकर शहर में फिर से भगवा ध्वज लगाए गए।

सुमित खंडेलवाल ने बताया कि कांग्रेस का चरित्र अब सबके सामने आ चुका हैं वह हिंदू विरोधी और भगवान राम विरोधी पार्टी है जिसने पूर्व मे कर्नाटक में बजरंगदल को भी प्रतिबंधित करने जैसी बात कही थी ।

महानिदेशक श्री साहू ने दी बधाई और शुभकामनाएं

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर पुलिस मुख्यालय में औपचारिक कार्यक्रम

डीजीपी ने 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में राज्य पुलिस बल के योगदान को सराहा

चमकता राजस्थान

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) श्री उत्कल रंजन साहू ने राजस्थान पुलिस की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के पुलिस जवानों और अधिकारियों के साथ प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है।

डीजीपी श्री साहू ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित औपचारिक कार्यक्रम में अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि राजस्थान पुलिस ने अपनी 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश में कानून- व्यवस्था, शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अविस्मरणीय योगदान दिया है। राजस्थान पुलिस को इस मुकाम तक पहुंचाने में एक से बढ़कर एक जांबाज अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही है। इसके लिए मौजूदा पुलिस फोर्स के साथ ही सभी पूर्व पुलिस अधिकारी और सेवानिवृत पुलिसकर्मी अभिवादन और प्रशंसा के पात्र हैं।

● अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

डीजीपी ने राजस्थान पुलिस के अमर शहीदों के त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें पूरे पुलिस परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य के पथ पर अडिग रहते हर प्रकार की चुनौतियों से लोहा लेते हुए अपराध नियंत्रण और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से जनसेवा की मिसाल कायम की है।

● अधिक सजगता एवं सर्तकता से दायित्व निर्वहन का संकल्प लें

» डीजीपी ने आ''ान किया कि राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस के खास मौके पर प्रदेश पुलिस बल के जवान और अधिकारी, इस बात का संकल्प लें कि वे आने वाले समय में अधिक सजगता एवं सर्तकता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे। वहीं जनमानस में पुलिस की विश्वसनीयता तथा कर्तव्यपरायणता की पहचान को और मजबूत बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

● बधाई देकर किया खुशी का इजहार

» पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस औपचारिक कार्यक्रम में मौजूद राजस्थान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक दूसरे को पुलिस दिवस की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस मौके पर एडीजी और आईजी रैंक के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

● आमजन पुलिस से निः संकोच सम्पर्क करे

» श्री साहू ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि आज प्रदेश के पुलिस बेड़े में शामिल करीब 1 लाख पुलिसकर्मी और अधिकारी आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय' के ध्येय वाक्य को जेहन में रखकर तत्परता से कार्य कर रहे हैं। आम नागरिक पुलिस से किसी भी प्रकार की सहायता या मदद की आवश्यकता होने पर निः संकोच होकर थानों, पुलिस चौकियों या उच्चस्थ पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों में सम्पर्क करें।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस (16 अप्रेल)

लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के मध्यनजर प्रदेश में होंगे औपचारिक कार्यक्रम

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 15 अप्रैल। राजस्थान पुलिस के स्थापना दिवस (16 अप्रेल) पर मंगलवार को प्रदेश में लोकसभा चुनावों की आचार संहिता के मध्यनजर पुलिस मुख्यालय सहित पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज, पुलिस जिलों, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और यूनिट्स में औपचारिक कार्यक्रम होंगे। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि लोकसभा चुनावों की आचार संहिता के मध्यनजर इस बार पुलिस स्थापना दिवस को औपचारिक रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। बाद में जून के तीसरे सप्ताह में दो दिन राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के सिलसिले में पारम्परिक आयोजन होंगे। डीजीपी साहू ने बताया कि मंगलवार को पुलिस स्थापना दिवस पर प्रदेश में पुलिस आयुक्तालय, पुलिस रेंज और पुलिस जिलों सहित पुलिस प्रशिक्षण संस्थान और यूनिट्स में उपलब्ध पुलिस बल के साथ अधिकारी सम्पर्क सभा करेंगे। इन सम्पर्क सभाओं में पुलिस आयुक्त, महानिरीक्षक पुलिस रेंज, पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त या कमांडेंट महानिदेशक पुलिस, राजस्थान का संदेश पढेंगे और अपनी यूनिट के कार्यों के बारे में चर्चा करेंगे।

● जून के तीसरे सप्ताह में दो दिन होंगे पारम्परिक आयोजन

कपास की बेहतर पैदावार के लिए खरपतवार का शीघ्र पता लगाना बेहद महत्वपूर्ण है: गोदरेज एग्रोवेट

चमकता राजस्थान

हनुमानगढ़ 16 अप्रैल, 2024। भारत में कपास सबसे महत्वपूर्ण नकदी फसलों में से एक है और अनुमानित तौर पर यह देश1 के 60 लाख किसानों की आजीविका से जुड़ा है। खरपतवार की वजह से पिछले कुछ साल2 के दौरान उपज में 40-85 प्रतिशत के बीच कमी आई है और इसके कारण किसानों को लगातार नुकसान झेलना पड़ रहा है।

गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी झ फसल सुरक्षा कारोबार, राजावेलु एनके ने कहा, कपास के खेत में खरपतवार अवांछित मेहमान होते हैं। वे सूरज की रोशनी, पानी और पोषक तत्वों जैसे बहुमूल्य स्त्रोतों के लिए मुख्य फसल के साथ जमकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। उनमें कपास के खेत में डाले गए लगभग 30-50 प्रतिशत उर्वरक के असर को खत्म करने और 20-40 प्रतिशत नमी1 सोख लेने की क्षमता होती है, इसलिए किसानों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे खरपतवार का शीघ्र पता लगाने पर ध्यान देने की आदत डालें ताकि उनकी उपज सुरक्षित रहे।.

इस संबंध में किये गए अध्ययनों से पता चला है कि रोपाई के बाद पहले 60 दिन महत्वपूर्ण2 होते हैं। इसलिए खरपतवार से होने वाले परेशानी को कम करने के लिए, रोपाई से लगभग सात दिन पहले हर्बीसाइड (खरपतवारनाशक) का उपयोग करने सलाह दी जाती है।

राजावेलु ने कहा, ''खरपतवारों की प्रतिस्पर्धा के कारण फसल की उपज में गिरावट आ सकती है। प्रारंभिक विकास के चरणों के दौरान खरपतवार की पहचान करने के लिए, विशेष रूप से उग रहे खरपतवार को उनकी पत्तियों और आकृतियों (चौड़ी और संकरी) के ज़रिये पहचानना ज़रूरी है। ऐसे में, गुणवत्तापूर्ण श्रम के अभाव में, तकनीक को अपनाना और उचित खरपतवारनाशक का उपयोग बेहद मददगार साबित होता है, जो पर्यावरण का ध्यान रखते हुए खरपतवार पर नियंत्रण में मदद करते हैं।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा, रोपाई से पहले मिट्टी का परीक्षण करना ज़रूरी है क्योंकि यह संभावित खरपतवार के प्रकार और उनकी तादाद की पहचान करने में मदद करता है, जिससे किसानों को नियंत्रण के उपायों की योजना बनाने में मदद मिलती है। इससे क्रॉप रोटेशन में भी मदद मिलती है, जिसके तहत कपास के पौधों की पंक्तियों के बीच अलग-अलग फसलें लगाने से खरपतवारों का जीवन चक्र बाधित होता है और इन पर नियंत्रण में मदद मिलती है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929